छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 ■ अंक - 55 ■ बैकुंठपुर, गुरूवार 19 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

25 करोड़ की रंगदारी केस में बड़ा एक्शन, टीआई विनीत दुबे निलंबित

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ रुपए की कथित रंगदारी मांगने के मामले में नारायणपुर में पदस्थ टीआई विनीत दुबे को बस्तर रेंज आईजी बद्री नारायण मीणा ने सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव



शुक्ला की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। पुलिस मुख्यालय के आदेश में कहा गया है कि विनीत दुबे ने अपने पद के अनुरूप काम नहीं किया और उनका व्यवहार नियमों के खिलाफ पाया गया। मामला रायपुर के तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 403/2026 से जुड़ा है। पुलिस की गोपनीय कार्रवाई की जानकारी लीक होने के बाद विभाग ने जांच शुरू की थी। आरोप है कि जानकारी मिलने पर फरार आरोपी शोएब ढेबर दबिश से पहले ही निकल गया था।

दबिश से पहले ही निकल गया था शोएब

पुलिस फरार आरोपी शोएब ढेबर की तलाश कर रही है। आरोप है कि उसने कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए खम्हारडीह समेत कई ठिकानों पर दबिश की योजना बनाई थी, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही शोएब वहां से निकल गया। इसके बाद गोपनीय रणनीति लीक होने की आशंका पर आंतरिक जांच शुरू हुई।

रायपुर कमिश्नर की रिपोर्ट पर कार्रवाई

बस्तर आईजी कार्यालय से जारी आदेश के मुताबिक, रायपुर पुलिस कमिश्नर ने 30 अक्टूबर 2026 को पत्र के माध्यम से टीआई विनीत दुबे के संबंध में प्रतिवेदन भेजा था। इसी के आधार पर आचरण संदिग्ध और विभागीय मर्यादा के विपरीत पाए जाने पर निलंबन किया गया। निलंबन अवधि में विनीत दुबे का मुख्यालय रक्षित केंद्र, नारायणपुर रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

दो आरक्षक भी पहले हो चुके हैं सस्पेंड

गोपनीय सूचना लीक के संदेह में इससे पहले एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) में पदस्थ आरक्षक शिवम द्विवेदी और राहुल सिंह गौतम को भी निलंबित किया गया था।

पीआरए ग्रुप के घर और दफ्तर पर आयकर की टीम ने दी दबिश

कई शहरों में एक साथ कार्रवाई, विभाग से नहीं मिली आधिकारिक जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर में बुधवार सुबह आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया। सड़क निर्माण के बड़े ठेकेदार और पीआरए ग्रुप के मालिक रमेशचंद्र अग्रवाल के ठिकानों पर विभाग की टीम ने एक साथ छापा मारा। सुबह से ही एमजी रोड स्थित उनके निवास और ब्रह्म रोड स्थित बर्बरिक प्रोजेक्ट लिमिटेड के कार्यालय में जांच चली। जानकारी के मुताबिक, दो वाहनों में आयकर के करीब एक दर्जन से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों के साथ टीम पहुंची। टीम ने इनके दोनों ठिकानों को घेर लिया गया।



अंदर मौजूद कर्मचारियों और स्वजन से घंटों पूछताछ के साथ दस्तावेज, कंप्यूटर, फाइलें और लेन-देन से जुड़े कागजात खंगाले जा रहे हैं। अंबिकापुर में पीआरए ग्रुप का नाम सड़क निर्माण और बड़े सरकारी ठेकों में काफी चर्चित है। बर्बरिक प्रोजेक्ट लिमिटेड भी इसी ग्रुप से जुड़ी कंपनी बताई जा रही है। इसी वजह से इस कार्रवाई को काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि छापे के पीछे की वजह क्या है, किस शिकायत या इनपुट पर कार्रवाई हुई है, इसे लेकर विभाग की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। टीम भी मीडिया से बचते रही। स्थानीय लोगों के बीच इस कार्रवाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। एमजी रोड और ब्रह्म रोड पर लोग जमा रहे, लेकिन पुलिस और विभाग के अधिकारियों ने किसी को अंदर जाने नहीं दिया। सूत्रों का कहना है कि टीम को अगर बड़े पैमाने पर बेहिसाब लेन-देन, नकदी या दस्तावेज मिलते हैं तो कार्रवाई आगे भी बढ़ सकती है। फिलहाल आयकर विभाग की टीम जांच में जुटी है।

चार जिलों में एक साथ पड़ा छापा

सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई केवल अंबिकापुर तक सीमित नहीं है। सरगुजा के अलावा रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ समेत प्रदेश के कई शहरों में आयकर विभाग की अलग-अलग टीमें एक साथ अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी हैं। बिलासपुर मे लोहा कारोबारी जयप्रकाश (जेपी) मित्तल के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा। टीम तीन गाड़ियों में विद्या नगर स्थित निवास प्रकाश पुंज पहुंची। व्यापार विहार स्थित मित्तल स्टील इस्पात, स्टीलमार्ट के ऑफिस और हनुमान हार्डवेयर स्टोर पर भी दबिश दी गई। दस्तावेजों की जांच और कारोबारी से पूछताछ जारी है। जेपी मित्तल संभाग के बड़े लोहा कारोबारी हैं।

साय कैबिनेट के 4 बड़े फैसले, नलजल के नए नियम मंजूर, पीवीटीजी छात्रों के लिए 40.98 करोड़

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में हुई कैबिनेट बैठक में 4 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हर ग्रामीण परिवार को नियमित और गुणवत्तापूर्ण शुद्ध पेयजल देने के लिए 'छत्तीसगढ़ पंचायत (ग्रामीण नलजल संचालन, संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026' के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। 2024 के नियम निरस्त कर जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए नियम लागू होंगे, जिसमें भारत सरकार के सुझाए 19 तकनीकी, प्रशासनिक और वित्तीय बिंदु शामिल हैं।1000 से कम आबादी वाली पंचायतों को 'मुख्यमंत्री नल जल अनुदान' से वित्तीय सहायता मिलेगी, इसके



लिए प्रतिमाह न्यूनतम 50% जल प्रभार संग्रहण करना होगा। वार्षिक जल प्रभार का 75% से अधिक संग्रहण करने वाली पंचायतों को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये 'मुख्यमंत्री नल जल प्रोत्साहन राशि' मिलेगी। लगातार दो साल शत-प्रतिशत मीटरिंग करने वाली पंचायतों को एकमुश्त 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा।

नारायणपुर में पीवीटीजी विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय को अनुदान

नारायणपुर में अबूझमाड़िया (पीवीटीजी) विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा देने के लिए रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित रामकृष्ण मिशन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय को तीन वर्षों के लिए आवर्ती एवं अनावर्ती अनुदान स्वीकृत किया गया। इसके लिए अधिनियम 2006 के मापदंडों में शिथिलीकरण को मंजूरी दी गई। सत्र 2026-27 से शुरू महाविद्यालय के संचालन और अधोसंरचना के लिए तीन वर्षों में लगभग 40.98 करोड़ रुपये का प्रावधान होगा।

राजनांदगांव में बाल सम्प्रेक्षण गृह के लिए भूमि

राजनांदगांव तहसील के ग्राम कौरिनभांठा में खसरा क्र. 284 की 0.223 हेक्टेयर (24,090 वर्गफीट) भूमि महिला एवं बाल विकास विभाग को बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन के लिए आबंटित करने की मंजूरी दी गई। इससे विधि से संघर्षरत बालकों को सुरक्षित आवास, देखभाल, परामर्श, शिक्षा और पुनर्वास की सुविधा मिलेगी।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल के संभागीय कार्यालय के लिए भूमि

राजनांदगांव शहर के बल्देव बाग स्थित स्टेट हाईस्कूल परिसर की 264 वर्गमीटर भूमि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल को आबंटित करने की मंजूरी दी गई। संभागीय कार्यालय खुलने से विद्यार्थियों, अभिभावकों और संस्थाओं को मण्डल की सेवाएं स्थानीय स्तर पर सुगमता से मिलेंगी।

महादेव सट्टा केस मे शुभम सोनी के खिलाफ वारंट, सौरभ चंद्राकर की पेशी आज

रायपुर। महादेव सट्टा ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को 19 नवंबर को रायपुर स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। रिमांड खत्म होने पर उसे ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में अलग-अलग कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी दोबारा कस्टोडियल रिमांड मांग सकती है। जांच छत्तीसगढ़ पुलिस अफसरों तक पहुंची है, उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाया गया है।

फरार शुभम सोनी के खिलाफ ईडी स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को गैर-जमानती वारंट जारी किया। नवंबर 2023 में वीडियो जारी कर उसने खुद को महादेव ऐप का असली मालिक बताया था। दावा था कि 2021 में भिलाई में ऐप शुरू हुआ, तत्कालीन सीएम



भूपेश बघेल के कहने पर वह दुबई गया और प्रोटेक्शन मनी के रूप में 508 करोड़ रुपये पहुंचाए। ये आरोप शुभम सोनी के हैं। ईडी ने सौरभ से सहयोगियों के बयान, डिजिटल डेटा और विदेशी कंपनियों के दस्तावेजों के आधार पर पूछताछ की। एजेंसी सट्टे की रकम विदेश पहुंचने के रास्ते और नेटवर्क में भूमिका की जांच कर रही है। अब तक 190 ठिकानों पर छापा, 2000 करोड़ जब्त/फ्रीज, 3500 करोड़ की संपत्ति अटैच, जिसमें 1800 करोड़ की विदेशी संपत्ति और दुबई में 22 अचल संपत्तियां शामिल हैं। 116 आरोपियों के खिलाफ 6 अभियोजन शिकायतें दाखिल, सौरभ 15वां गिरफ्तार आरोपी है।

फरवरी 2023 में यूएई के रास अल खैमाह में सौरभ की शादी पर करीब 200 करोड़ नकद खर्च का भी जांच में खुलासा हुआ है। नागपुर से तीन चार्टर्ड विमान गए थे। इवेंट कंपनी, होटलों और अंगड़िया फर्मों के लेन-देन की जांच से सिंडिकेट के लोगों की पहचान में मदद मिली।

ठगी नेटवर्क खोलने के लिए दीपक-बरखा की होगी आमने-सामने पूछताछ

रायपुर। करोड़ों की ठगी के आरोपी दीपक टंडन से पूछताछ जारी है। अब पुलिस पत्नी बरखा टंडन से भी हिरासत में पूछताछ चाहती है, कोर्ट में रिमांड आवेदन लगाया है। रिमांड मिलने पर दोनों को आमने-सामने बैठाकर ठगी के नेटवर्क, पैसों के लेन-देन और सहयोगियों की भूमिका पता की जाएगी। दीपक को 19 नवंबर को फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा। जांच में दो डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और टीआई स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

दीपक खुद को नेताओं, मंत्रियों और अफसरों का करीबी बताता था। सरकारी काम कराने, कोयला खदान में ठेका दिलाने, जमीन-होटल कारोबार में फायदा कराने का भरोसा देकर लाखों रुपए लेता था। काम नहीं होने पर पैसे मांगने पर टालने-धमकाने के आरोप हैं। पुलिस ने घर, होटल और अन्य ठिकानों पर छापे मारकर दीपक-बरखा के मोबाइल, लैपटॉप, सीडी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। ठगी की रकम कहां लगी, किन तक पहुंची, इसकी जांच हो रही है। फर्जी दस्तावेज, बैंक खाते, बेनामी संपत्ति और संपर्क वाले लोगों की भूमिका खंगाली जा रही है। दीपक ने पूछताछ में कुछ सहयोगियों के नाम बताए हैं। आरोप है कि दीपक ने अच्छी पोस्टिंग दिलाने के नाम पर चार एडिशनल एसपी, तीन डीएसपी और टीआई समेत कई पुलिस अधिकारियों से पैसे लिए थे। पिछली सरकार के समय मनचाही पोस्टिंग के लिए रकम दी गई, काम नहीं हुआ। एक एएसपी ने दबाव बनाकर रकम वापस ले ली, तीन का पैसा फंस गया।

जल जीवन मिशन से बदली जवारीटोला की तस्वीर, 109 घरों तक पहुंचा नल से जल

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। जल जीवन मिशन के माध्यम से जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। जनपद पंचायत भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत करीं के आश्रित ग्राम जवारीटोला में भी इस योजना ने ग्रामीणों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या को काफी हद तक दूर किया है। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ से लगभग 135 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में अब घरों तक नल के माध्यम से पानी पहुंचने लगा है। इससे ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दराज के जल स्रोतों पर निर्भर रहने की परेशानी से राहत मिली है। विशेषकर महिलाओं के समय और श्रम की बचत होने से उनकी दैनिक दिनचर्या अधिक सुगम हुई है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से पहले जवारीटोला के ग्रामीण पेयजल और घरेलू जरूरतों के लिए कुओं, तालाबों तथा हैंडपंपों पर निर्भर थे। गर्मी के दिनों में जलस्तर कम होने से पानी की उपलब्धता और कठिन हो जाती थी। महिलाओं को पानी लाने के लिए अतिरिक्त समय और मेहनत करनी पड़ती थी। कई बार बच्चों को भी इस कार्य में



सहयोग करना पड़ता था, जिससे उनकी पढ़ाई और अन्य गतिविधियां प्रभावित होती थीं। गांव में नल से जल की सुविधा विकसित होने के बाद इन परेशानियों में काफी कमी आई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जवारीटोला में एकल ग्राम योजना के माध्यम से पेयजल व्यवस्था विकसित की गई है। योजना के तहत पाइपलाइन विस्तार, ओवरहेड टैंक निर्माण तथा घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य किया गया। गांव की कुल आबादी 497 है और यहां 120 परिवार निवासरत हैं। इनमें से 109 घरों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे अधिकांश परिवारों को घर पर ही पानी मिलने लगा है और दैनिक जरूरतों के लिए पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भरता कम हुई है।

महिलाओं को मिली राहत, बच्चों को पढ़ाई के लिए अधिक समय

घर तक पानी पहुंचने से सबसे अधिक राहत महिलाओं को मिली है। पहले जहां उन्हें पानी लाने में काफी समय लगाना पड़ता था, वहीं अब नल कनेक्शन के माध्यम से घर पर पानी उपलब्ध होने से उनका श्रम कम हुआ है। समय की इस बचत का उपयोग महिलाएं घरेलू कार्यों, परिवार की देखभाल और आजीविका संबंधी गतिविधियों में कर पा रही हैं। बच्चों को भी पढ़ाई और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलने लगा है। पानी की सुलभ उपलब्धता से घरों में साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखना भी आसान हुआ है। गांव में पेयजल व्यवस्था के संचालन और रखरखाव के लिए ग्रामीणों की सहभागिता को भी महत्व दिया गया है। ग्राम स्तर पर गठित जल एवं स्वच्छता समिति के माध्यम से पानी के विवेकपूर्ण उपयोग, जल स्रोतों के संरक्षण तथा पेयजल व्यवस्था के बेहतर रखरखाव के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों से गांव में पेयजल सुविधा को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया गया है। जिला मुख्यालय से दूर बसे जवारीटोला में नल से जल की सुविधा ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनी है। कभी पानी की व्यवस्था के लिए समय और श्रम खर्च करने वाले परिवारों को अब घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल दैनिक जीवन आसान हुआ है, बल्कि महिलाओं और बच्चों को भी राहत मिली है। जवारीटोला की यह उपलब्धि दर्शाती है कि जल जीवन मिशन दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ जीवन स्तर में सुधार की महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

एमसीबी जिले में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, अब तक 1713.20 क्विंटल धान का उपार्जन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। जिले में 15 नवम्बर से प्रारंभ हुए धान खरीदी अभियान के तहत अब तक कुल 1713.20 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। सरकारी उपार्जन पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार जिले के 28 धान उपार्जन केंद्रों में से 12 केंद्रों पर खरीदी शुरू हो गई है। इनमें जनकपुर उपार्जन केंद्र 872.40 क्विंटल धान खरीदी के साथ जिले में पहले स्थान पर है। जनकपुर केंद्र की हिस्सेदारी जिले की कुल खरीदी में लगभग 50.92 प्रतिशत है। जिले में किसानों की सुविधा के लिए 19 सहकारी समितियों के अंतर्गत 28 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ टोकन प्रणाली के माध्यम से किसानों को निर्धारित तिथि पर धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही



है। धान खरीदी के शुरुआती आंकड़ों में जनकपुर उपार्जन केंद्र सबसे आगे है। यहां अब तक 872.40 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज की गई है। इसके बाद कोटाडोल केंद्र में 155.60 क्विंटल, कुंवारपुर में 117.60 क्विंटल, सिंगरौली में 112.40 क्विंटल तथा कोड़ा में 104.40 क्विंटल धान खरीदा गया है। इसी प्रकार देवाडांड उपार्जन केंद्र में 82.80 क्विंटल, खड़गवां में 76 क्विंटल, चैनपुर में 62 क्विंटल, रापा में 50 क्विंटल, कंदरेवा में 32.40 क्विंटल, कमर्जी में 29.60 क्विंटल तथा बरदर में 18 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज की गई है। इन सभी 12 केंद्रों में अब तक कुल 1713.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। जिले के कुल 28 उपार्जन केंद्रों में से 12 में खरीदी प्रारंभ हो चुकी है, जबकि शेष 16 केंद्रों में अभी खरीदी दर्ज नहीं हुई है। इनमें कछौड़, केल्हारी, कटकोना, उधनापुर, कौड़ीमार, कंजिया, घुटरा, कठौतिया, बहरासी, डोंडकी, बंजी, नागपुर, बरबसपुर, माड़ीसरई, रतनपुर एवं सिंगहत उपार्जन केंद्र शामिल हैं। धान खरीदी अभियान के शुरुआती चरण में किसानों की आवक धीरे-धीरे बढ़ रही है। आगामी दिनों में शेष केंद्रों पर भी खरीदी शुरू होने और किसानों की आवक बढ़ने के साथ जिले के कुल धान उपार्जन में वृद्धि होने की संभावना है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी कार्य को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए उपार्जन केंद्रों की सतत निगरानी की जा रही है। किसानों को टोकन के अनुसार निर्धारित तिथि पर धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने तथा खरीदी केंद्रों में आवश्यक संसाधन एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



कम धान बेचने पर भी मिलेगी प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता

★ कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में दिए पारदर्शी धान खरीदी के निर्देश ★ हर पात्र किसान का धान सहजता से खरीदा जाए, आदान सहायता की जानकारी हर किसान तक पहुँचे : कलेक्टर ★ समय-सीमा की बैठक संपन्न



बलरामपुर-रामानुजगंज, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी की अद्यतन स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने किसानों के रकबा पंजीयन में विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और प्राथमिकता यह हो कि हर पात्र किसान का धान सहज और व्यवस्थित ढंग से खरीदा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी नीति में किसानों के हित में अहम निर्णय लिया है। कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता राशि दी जाएगी। यदि कोई किसान एक एकड़ में केवल 10 से 15 क्विंटल धान का उत्पादन करता है और उतना ही धान बेचता है, तब भी उसे इस योजना में प्रति एकड़ पूरी 13,839 रुपये की राशि मिलेगी। इसी तरह दो एकड़ पात्र रकबे वाले किसान को 27 हजार 678 रुपये और तीन एकड़ वाले किसान को 41 हजार 517 रुपये की सहायता मिल सकेगी। इस वर्ष कॉमन ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये और ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल है। राज्य सरकार किसानों को समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना की सहायता मिलाकर 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ दे रही है। सामान्य धान के समर्थन मूल्य और इस दर के बीच 659 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर है। प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल खरीदी के आधार पर यही अंतर 13,839 रुपये बनता है। सरकार ने इस राशि को एक समान आदान सहायता के रूप में तय किया है, ताकि कम उपज होने या सीमा से कम धान बेचने पर भी किसानों की सहायता राशि में कोई कटौती न हो।

कृषि उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए किसान को आवेदन करना अनिवार्य है। जिसके लिए कृषक बंधु धान उपार्जन केंद्र पहुंचने पर अवेदन कर सकते हैं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोई भी खसरा सत्यापन और संबंधित राजस्व अधिकारी की पुष्टि के बिना न जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में धान की स्टैकिंग महत्वपूर्ण है और संबंधित अधिकारी इसका भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने केन्द्रों में पर्याप्त बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण, धान के सुरक्षित रखरखाव, परिवहन और किसानों के लिए अन्य जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने को भी कहा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आदान सहायता संबंधी इस निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार कर हर किसान तक जानकारी पहुँचाने के निर्देश दिए, ताकि कम उत्पादन वाले किसान भी योजना का पूरा लाभ ले सकें और कोई भी पात्र किसान एग्रीस्टैक पंजीयन व रकबा सत्यापन से छूट न जाए।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा कर अधिकारियों को तय लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुँचे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा भी की गई।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार सिदार, श्री आर. एस. लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर क्रमिक भूख दूसरे दिन भी जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संयुक्त कोयला मजदूर संघ एटक बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर 17 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष जारी सात दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल आज दूसरे दिन भी जारी रही। संघ के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने बताया कि आज दूसरे दिन बुधवार को ठेका श्रमिक विनोद कुमार बघेल, घरभरण राजवाड़े, नेतलाल, मोहन सिंह, प्यारेलाल, खेल साय, टकेश्वर, गोरेलाल, डॉक्टर प्रसाद, दुर्जन सिंह बैठे रहे।संघ का कहना है कि यदि निर्धारित अवधि में भी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 25 नवंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। ठेका श्रमिकों की मांग है कि सभी खदानों में कार्य समिति का अनिवार्य गठन किया जाए। सभी ठेका श्रमिकों को नियमानुसार नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रदान किया जाए।कोयला ट्रांसपोर्ट, साइडिंग, सोलर प्लांट एवं खान परिसर के सभी कामगारों को एचपीसी वेज का भुगतान हो। बायोमेट्रिक व उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज हो एवं प्रति माह 26 दिन का कार्य सुनिश्चित किया जाए। हर महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान और अनिवार्य वेतन पर्ची दी जाए। कॉरपोरेट बैंक खातों से वेतन भुगतान हो ताकि श्रमिकों को कॉरपोरेट बीमा का लाभ मिल सके।



बोनस/पीएलआई का पूर्ण भुगतान हो तथा गायत्री एवं केतकी खदान के वर्ष 2024-25 का बकाया बोनस तुरंत दिया जाए। खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो और दुर्घटनाओं को छुपाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगे। गायत्री एवं केतकी खदान के आसपास रोजगार के नाम पर हो रही अवैध धन उगाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। पूर्व में वेतन से काटी गई सीएमपीएफ राशि की तत्काल वापसी या समायोजन किया जाए।

पति की प्रताड़ना से तंग विवाहिता के आत्महत्या मामले में पति के खिलाफ जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सतपता यादवपारा में 22 वर्षीय जीरवन्ती यादव ने कथित तौर पर पति की लगातार मारपीट और घरेलू विवादों से परेशान होकर पिछले दिनों 17 अगस्त को गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मर्ग जांच पूरी होने के तीन माह बाद पुलिस ने बुधवार को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता निवासी 22 वर्षीय जीरवन्ती यादव ने तीन माह पूर्व पति 32 वर्षीय उगेश कुमार यादव पिता राम सुभग की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग जांच के दौरान गवाहों के बयान दर्ज



किए गए। जांच में सामने आया कि मृतिका की मृत्यु उसके पति द्वारा किए गए प्रताड़ना, मारपीट और झगड़ों के कारण हुई है। इसी आधार पर पुलिस ने मंगलवार 17 नवंबर को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उगेश कुमार यादव का विवाह 3 मई 2023 को हुआ था। उनके 14 महीने का बेटा हिमांशु भी है। घटना वाले दिन उगेश सुबह ड्यूटी पर गोरखनाथपुर गया था। रात करीब साढ़े आठ बजे घर लौटकर उसने पत्नी को बेडरूम के सामने वाले कमरे में सीट की कंडी में गमछे से झूलता पाया था। छोटा बेटा जमीन पर रो रहा था। उगेश कुमार यादव ने खुद थाने में बताया था कि 14 अगस्त को सुबह मोबाइल मांगने को लेकर झगड़ा हुआ था और दोनों के बीच अक्सर विवाद रहता था। उसने शुरू में अज्ञात कारण से आत्महत्या बताई थी।

जमदेई में किया गया शब्दबीज पुस्तक का वितरण कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बच्चों में शब्द ज्ञान एवं भाषा कौशल विकसित करने की अनूठी पहल, शिक्षक के साथ समुदाय की सहभागिता पर जिला प्रशासन सूरजपुर के तत्वाधान में संचालित महत्वाकांक्षी शैक्षणिक पहल शब्दबीज कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला घुमकाटिकरा जमदेई में शब्दबीज पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला नोडल गौतम कुमार शर्मा, सहायक जिला नोडल विजय बरगाह, बुधराम, टेसू सुमन, संकुल प्राचार्य जयप्रकाश राजवाड़े, गंगा राम एवं बसंत यादव उपस्थित रहे। साथ ही शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में शब्द भंडार बढ़ाना, भाषा के प्रति रुचि विकसित करना तथा पढ़ने-लिखने की क्षमता को मजबूत बनाना है। शब्दबीज कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को प्रतिदिन एक नया शब्द सिखाया जाता है। इस गतिविधि के अंतर्गत बच्चे प्रतिदिन एक नए शब्द का अर्थ समझते हैं तथा उसका वाक्यों में प्रयोग करना सीखते हैं। इससे बच्चों की शब्दावली, अभिव्यक्ति क्षमता एवं भाषाई दक्षता में निरंतर वृद्धि होती है। मुख्य अतिथि गौतम कुमार शर्मा एवं सभी सहायक जिला



नोडल अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से शब्दबीज गतिविधि को कक्षा में संचालित करें, ताकि प्रत्येक बच्चा नए शब्द सीखकर अपने ज्ञान का विस्तार कर सके। विद्यालय के प्रधानपाठक मो. नौसाद आलम द्वारा शब्दबीज कार्यक्रम को केवल कक्षा तक सीमित न रखते हुए इसे समुदाय से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों की भाषा एवं शब्द ज्ञान संबंधी दक्षता के विकास में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों और समुदाय की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस पहल के माध्यम से पालकों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं समुदाय के लोगों को भी कार्यक्रम से जोड़कर बच्चों को घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर प्रतिदिन एक नया शब्द सीखने तथा उसका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।प्रधानपाठक ने समुदाय से अपील किया कि वे बच्चों के साथ प्रतिदिन कुछ समय निकालकर नए शब्दों पर चर्चा करें, उनके अर्थ समझाएं तथा दैनिक जीवन में उन शब्दों के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। इससे विद्यालय में शुरू की गई शैक्षणिक गतिविधि को घर और समाज तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह पहल विद्यालय, शिक्षक, पालक और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बच्चों के सीखने के वातावरण को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।कार्यक्रम के अंत में बच्चों को शब्दबीज पुस्तकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सुमन देवांगन व अन्य उपस्थित रहे।

90 रुपए प्रति सत्र में वैक्सीन का बोझ, 13 साल की सेवा के बाद भी बदहाल वैक्सीन वितरण कार्यकर्ता

चार-पांच महीने तक भुगतान का इंतजार, न नियुक्ति पत्र और न पहचान की गारंटी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रदेश में टीकाकरण अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने और स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी बने वैक्सीन वितरण कार्यकर्ता खुद बदहाल व्यवस्था से जूझ रहे हैं। वर्ष 2013 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लगातार सेवाएं दे रहे इन कार्यकर्ताओं को आज भी महज 90 रुपए प्रति सत्र मानदेय मिल रहा है। इतना ही नहीं काम पूरा करने के बाद भी भुगतान के लिए चार से पांच महीने तक इंतजार करना पड़ता है। हैरानी की बात यह है कि 13 वर्षों की सेवा के बावजूद उनकी विभागीय पहचान, नियुक्ति पत्र, स्पष्ट सेवा शर्तों और भविष्य की सामाजिक सुरक्षा को लेकर अब तक अनिश्चितता बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार करोड़ों रुपए के टीकाकरण अभियान संचालित कर रही है, लेकिन इन अभियानों को जमीनी स्तर पर गति देने वाले वैक्सीन वितरण कार्यकर्ताओं की स्थिति पर संघ द्वारा विधायक भूलन सिंह मरावी, शकुंतला पोर्ते व रामकुमार टोप्पो को ज्ञापन देकर विधानसभा में सवाल उठाने की मांग की है। विधायकों से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से मामले को उठाकर जानकारी मांगे जाने की मांग संघ द्वारा की गई है। इसमें कार्यकर्ताओं की संख्या, नियुक्ति की प्रक्रिया, मानदेय, संशोधित भुगतान दर, भुगतान में देरी और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। ज्ञात हो कि



वैक्सीन वितरण कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परेशानी उनका बेहद कम मानदेय है। वर्तमान में उन्हें लगभग 90 रुपए प्रति सत्र की दर से भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। संघ का विधायकों से मांग है कि विधानसभा में सवाल उठाया जाए कि यह राशि किस शासनादेश अथवा लागत मानक के आधार पर निर्धारित की गई है। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संशोधित लागत मानक में इसे बढ़ाकर 125 रुपए प्रति सत्र किए जाने के प्रावधान और छत्तीसगढ़ में उसके क्रियान्वयन की स्थिति भी स्पष्ट की जाए। कम मानदेय के साथ भुगतान में लंबी देरी कार्यकर्ताओं की मुश्किलें और बढ़ा रही है। कई बार अपने काम का पारिश्रमिक पाने के लिए उन्हें चार से पांच महीने तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में मामूली राशि पर निर्भर कार्यकर्ताओं के सामने घरेलू खर्च और दूसरी आवश्यकताओं का प्रबंधन चुनौती बन जाता है। विधानसभा में भुगतान लंबित रहने के कारणों और समयबद्ध भुगतान की व्यवस्था बनाने को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा जाए। वर्ष 2013 से स्वास्थ्य विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में योगदान देने के बावजूद इन कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और स्पष्ट सेवा शर्तों की सुविधा उपलब्ध है या नहीं, इस पर भी सवाल उठाया जाए। कार्यकर्ताओं की वास्तविक संख्या, उन्हें काम पर लगाने की प्रक्रिया और उनकी जिम्मेदारियों का निर्धारण किस आधार पर किया गया है, इसकी जानकारी भी मांगी जाए। सवाल यह है कि लंबे समय से सेवाएं लेने के बावजूद सरकार इनके लिए एक स्पष्ट सेवा व्यवस्था क्यों नहीं बना पा रही है। मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू कार्यकर्ताओं के भविष्य की सुरक्षा है। विधानसभा में वैक्सीन वाहक कल्याण निधि योजना लागू करने की संभावनाओं पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित कराया जाए। इसके तहत लंबे समय से सेवाएं दे रहे कार्यकर्ताओं के लिए आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाने पर विचार करने का सवाल शामिल है। सरकार से पूछा जाए कि क्या ऐसी कोई योजना प्रस्तावित है और यदि है तो इसे लागू करने की कार्ययोजना क्या है। सवाल सिर्फ 90 से 125 रुपए मानदेय बढ़ाने का नहीं, बल्कि उस कार्यबल को सम्मानजनक पारिश्रमिक, समय पर भुगतान, विभागीय पहचान और सुरक्षित भविष्य देने का है, जो पिछले 13 वर्षों से प्रदेश के टीकाकरण अभियान की अहम जिम्मेदारी निभा रहा है। सरकार का जवाब तय करेगा कि इन कार्यकर्ताओं की समस्याएं केवल सदन में चर्चा तक सीमित रहेंगी या उन्हें राहत देने के लिए कोई ठोस पहल भी होगी।

निधन
सीआर सिदार



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के बलरामपुर 10/12 नंबर खदान के मैनेजर सीआर सिदार का उपचार के दौरान रायपुर के रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में मंगलवार रात निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बिलासपुर सरकंडा के कपिलनगर इलाके में स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे पिछले करीब एक डेढ़ माह से अस्वस्थ चल रहे थे, परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती कराया था, इसी दौरान बीती रात उनका निधन हो गया। वे दो माह बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे।

महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आईकॉन राष्ट्रीय अवार्ड से विजयराज सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र के समाजसेवी विजयराज अग्रवाल को समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आईकॉन राष्ट्रीय अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के तत्वाधान में 14 नवंबर को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय अग्र अलंकरण समारोह 2026 का आयोजन किया गया। इस अंतर्राष्ट्रीय अग्र अलंकरण समारोह में देश-विदेश की विशिष्ट हस्तियों को इस इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संगठन के राष्ट्रीय चेयरमेन प्रदीप मित्तल एवं हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल के कर कमलों द्वारा विजयराज अग्रवाल को अग्र श्री गौरव अवार्ड प्रदान किया गया। विजयराज अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर पर मिले यह सम्मान उनके पिछले पैंतीस वर्षों से किए



जा रहे समाज सेवा कार्यों एवं गतिविधियों के लिए प्रदान किया गया है।कार्यक्रम में विजयराज अग्रवाल के सामाजिक सेवा यात्रा का संक्षिप्त विवरण उद्घोषक द्वारा अतिथियों के सामने बताया गया। निर्णायक मंडल ने उनके कार्यों, उपलब्धियों, सामाजिक योगदान और विशिष्ट पहचान का मुल्यांकन करने के बाद उनका चयन किया है। विजयराज अग्रवाल के जीवन और कार्यों से युवा वर्ग प्रेरणा ले सके और समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे सके, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय मंच से विजयराज अग्रवाल का सम्मान एक महत्वपूर्ण पहल है। विजयराज अग्रवाल दिव्यांगजनों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास के लिए प्रयासरत रहे हैं। इसके अलावा महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, कला व संस्कृति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह हटाओ कार्यक्रमों को अपने सामाजिक सेवा कार्यों में जोड़कर समाज व राष्ट्र के विकास में अमुल्य योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम को परम पूज्य गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्वामी ज्ञानानंद जी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्डस, यूके का प्रमाण पत्र भी दिया गया।

दूसरी पत्नी द्वारा शराब पीने से मना करने पर पति ने लगाई फांसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रामनगर अड़रापारा में एक युवक ने पत्नी द्वारा साथ बैठकर शराब पीने से मना करने से क्षुब्ध होकर कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत रामनगर अड़रापारा निवासी 35 वर्षीय नानू सिंह उर्फ चौधारी पिता स्व. हीरासाय गोंड जो कि दूसरी शादी करके अलग रहता था, ने मंगलवार की शाम करीब साढ़े चार दूसरी पत्नी चांदनी को साथ बैठकर शराब पीने की बात कही, जिस पर पत्नी द्वारा इंकार कर दिए जाने से नाराज होकर युवक ने अकेले शराब पीकर घर के कमरे को अंदर से बंदकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

सत्ता से बड़ा संविधान, जल- जंगल और जमीन की लड़ाई में कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ - सुखदेव

कांटारोली की जनचौपाल से कांग्रेस ने भरी हुंकार

तारा कोल ब्लॉक और हसदेव के मुद्दे पर आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने का किया ऐलान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी वोट बचाओझदेश बचाओ अभियान के तहत प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम कांटारोली में आयोजित विशाल जनचौपाल में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत के नेतृत्व में आयोजित इस जनचौपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मंच से हुंकार भरते हुए जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया। छत्तीसगढ़ प्रभारी सांसद सुखदेव अपने तीन दिवसीय सरगुजा अंचल प्रवास के दौरान कांटारोली पहुंचे। जनचौपाल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आदिवासी हितों की अनदेखी करने और पेसा कानून एवं संविधान की पांचवीं अनुसूची की भावना के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तारा कोल ब्लॉक और हसदेव बचाओ आंदोलन केवल जमीन का मुद्दा नहीं, बल्कि आदिवासियों की संस्कृति, पहचान, आजीविका और अस्मिता से जुड़ा सवाल है। कांग्रेस आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। सुखदेव भगत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए वोट चोरी और देश की



सार्वजनिक संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्ता से बड़ा संविधान है और संविधान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कांग्रेस और राहुल गांधी सड़क से लेकर सदन तक आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने जनता से कांग्रेस को मजबूत करने और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा की लड़ाई में सहभागी बनने का आह्वान किया। इसके पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया और अतिथियों का अभिनंदन किया। जनचौपाल में कांग्रेस नेताओं ने स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों, आदिवासी हितों और क्षेत्रीय विकास से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाया। जन चौपाल में पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, अमरजीत भगत, डॉ प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक विनय जायसवाल, पारसनाथ राजवाड़े, भानुप्रताप सिंह, रायपुर के पूर्व महापौर एजाज ढेबर, बालकृष्ण पाठक, सफी अहमद, दानिश रफीक, विंकी बाबा, सुभाष गोयल, नरेंद्र जैन, सुनील अग्रवाल, आनंद कुंवर, भगवती राजवाड़े, अखिलेश सिंह, हेमलता राजवाड़े, बबिता गुप्ता, लिली राजवाड़े, विमला सिंह, सुखमनिया जगते, आलोक साहू, रोहित कन्नौजे, विद्यासागर सिंह, नवीन जायसवाल, संजीव श्रीवास्तव, अंशुल गोयल, चंदन सिंह, जरीना सुल्ताना, अरबिना बेगम, खुशी, दिव्या तांजे, जगत आयाम, महेंद्र साहू, केबी सिंह, कवल बिहारी सिंह, प्रदीप राजवाड़े, लवकेश गुर्जर, संतोष पावले, लिवनेश सिंह, रामकुमार बंछोर, समीर सिंह, मुन्नी सिंह, सविता सिंह, कुसुमलता राजवाड़े, नरेंद्र यादव, प्रदीप साहू, गिरधारी साहू, नवल सिंह, प्रवेश गोयल, परमेश्वर राजवाड़े, पवन साहू, दिनेश राजवाड़े, बिहारी कुलदीप, संदीप शर्मा, चंद्रदत्त दुबे, चंदा सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, कांग्रेस के जिला, ब्लॉक, मंडल व बूथ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार पर बैज और सिंहदेव का हमला

जनचौपाल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी संबोधित किया। दोनों नेताओं ने वोट बचाओ यात्रा के उद्देश्य और लोकतंत्र में मताधिकार की अहमियत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। नेताओं ने एसआईआर, कथित वोट चोरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और बस्तर से सरगुजा तक आदिवासी अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। इस दौरान नेताओं ने वोट बचाओझदेश बचाओ, सूरजपुर बचाओ, प्रेमनगर बचाओ, तारा बचाओ और कांटारोली बचाओ के नारे लगवाकर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों में जोश भरा।

तारा चौक पर आतिशी स्वागत, बाइक रैली के साथ पहुंचे नेता

इसके पूर्व तारा चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह एवं जिला प्रभारी गुलाब कमरो, ईस्माइल खान व दानिश रफीक के नेतृत्व में प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, सह प्रभारी जरिता लैतफलांग, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मोहन मरकाम का भव्य एवं आतिशी स्वागत किया गया। इसके बाद बाइक रैली तथा पारंपरिक शैला और शुग्गा नृत्य दलों की अगुवाई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जनचौपाल स्थल कांटारोली पहुंचे। यहां जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह सहित इस्माइल खान, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, मेहंदी यादव, एवं आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अतिथियों का तीर-धनुष भेंटकर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

तकनीक से आसान हुई खेती-किसानी, ऑनलाइन टोकन से किसानों को मिली राहत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। धान बेचने के लिए टोकन लेने बार-बार उपार्जन केंद्र के चक्कर लगाना अब किसानों की मजबूरी नहीं रही। मोबाइल से घर बैठे ऑनलाइन टोकन काटने की सुविधा से धान विक्रय आसान हो गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले के केंद्रों में यह सुविधा किसानों के लिए राहत बन रही है। ग्राम थोर, केशवपुर, मेंड्राकला निवासी किसान भगतराम राजवाड़े ने डेढ़ एकड़ में धान की खेती की है। उन्होंने स्वयं मोबाइल से ऑनलाइन टोकन काटा। पहले टोकन के लिए केंद्र जाना पड़ता था, अब घर बैठे टोकन मिल रहा



है, इससे समय बच रहा है और भागदौड़ नहीं करनी पड़ती। उन्होंने बताया कि केंद्र में व्यवस्थाएं अच्छी हैं और खरीदी सुचारू है। 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य और अन्य योजनाओं से सहायता मिलने से खेती में सहयोग मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। ग्राम माझापारा (लोधिमा) निवासी रवि भूषण ने 13 क्विंटल 60 किलोग्राम धान रामपुर उपार्जन केंद्र में विक्रय के लिए लाया है। उन्होंने भी मोबाइल से स्वयं टोकन काटा। पहले बार-बार केंद्र आने पर भी निर्धारित तिथि मिलना मुश्किल होता था। अब घर बैठे टोकन से यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य मिलने पर संतोष जताया और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। केशवपुर-मेंड्राकला केंद्र से 6 पंचायतों के 452 पंजीकृत किसानों को सुविधा मिल रही है। इनमें हर्राटिकरा, केशवपुर, थोर, माझापारा, सुंदरपुर और सांडबार शामिल हैं। किसानों को नजदीकी केंद्र में विक्रय की सुविधा के साथ 'तुंहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन का विकल्प भी मिल रहा है। जिले के 7 नए सहित कुल 61 केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हो रही है। किसानों को 'तुंहर टोकन' ऐप से घर बैठे टोकन की सुविधा दी जा रही है। केंद्रों में पेयजल, छायादार प्रतीक्षालय, बारदाना और धान की सफाई सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल तकनीक से खरीदी अधिक सुविधाजनक और पारदर्शी बन रही है।

एसडीएम ने पतरापाली उप स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण, कालातीत सिरिंज मिलने पर लगाई फटकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। एसडीएम सुनील अग्रवाल ने पतरापाली उप स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कालातीत सिरिंज पाए गए, वहीं पदस्थ चिकित्सक अनुपस्थित मिले। एसडीएम ने उपस्थित नर्स को फटकार लगाते हुए कालातीत सिरिंज को तत्काल अस्पताल से हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीएम ने पतरापाली धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि धान विक्रय के लिए सोसायटी पहुंचने वाले किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके बाद वे



परशुरामपुर धान खरीदी केंद्र पहुंचे, जहां धान खरीदी अभी शुरू नहीं हुई है। वहां उन्होंने धान की आवक से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

अस्पतालों की हालत गंभीर

रामानुजनगर विकासखंड के विभिन्न गांवों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा उप स्वास्थ्य केंद्रों की हालत बदतर है। शासन से सभी सुविधाएं दी जा रही हैं, लेकिन बीएमओ द्वारा प्रशासनिक कसावट नहीं होने से कर्मचारियों की लापरवाही के कारण अस्पतालों की स्थिति बेहद खराब है। सीएमएचओ हों या बीएमओ, दोनों ही इतने कमजोर प्रशासक हैं कि विभाग के कर्मचारियों पर इनकी कोई पकड़ नहीं है, बल्कि कर्मचारी ही अधिकारियों पर हावी नजर आते हैं। अधिकारी भी कभी नहीं चाहते कि ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त रहे। यही वजह है कि यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदहाल है।

राजनीतिक विपत्तियों की तलाश!

मनोज कुमार सिंह

बादल वर्षा कर पृथ्वी की प्यास बुझाते हैं, लेकिन स्वयं वाष्प के लिए प्यासे रहते हैं, यह सत्य है। लेकिन क्या जो दानी है, वह याचक हो सकता है? यह एक रहस्यमयी वाक्य है, जिसके इर्द-गिर्द ही पूरी राजनीति का जन्म, वर्धन और घूर्णन होता है। शांति, क्षमा, भेद, फूट, सुलह और पुरस्कार राजनीति के षष्टांग होते हैं। शत्रु का शत्रु स्वाभाविक मित्र होता है, यह एक चिर स्थापित सत्य है। आज भारत में कुछ इसी तरह की कुटिल व घृणास्पद राजनीति के नये चेहरे का अभ्युदय हो रहा है। लेकिन, जो हो रहा है वह पूर्व निश्चित भी था। निश्चित इसलिए कि भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के लिए अपनाई गई भाषायी पद्धति वर्तमान भारत की राजनीति में परस्पर वैमनस्य की छद्म जनक सिद्ध हो रही है। इस संबंध में एक बात सांकेतिक रूप से अवश्य लिपिबद्ध करना आवश्यक है कि, जब शास्त्री जी के समय हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने का प्रयास किया गया तब डीएमके के संस्थापक सी. एन. अन्नादुरै ने इसका विरोध करते हुए कहा था, ₹यदि कौवों की संख्या बढ़ जाये तब क्या कौवों को मोरों की जगह राष्ट्रीय पक्षी बना दिया जाए।₹ इसके कुछ वर्षों बाद बाला साहेब ठाकरे के नेतृत्व में मुंबई में भाषा आधारित मराठी मानुष के नाम पर दक्षिण भारतीयों का विरोध आरंभ हुआ। जिसका दूसरा चरण 90 के उत्तरार्ध में मुंबई में उत्तर भारतीयों (उत्तर प्रदेश व बिहारियों) के विरोध में हुआ और अब तीसरे चरण में छठ पूजा का विरोध हो रहा है। जिसका एक मात्र उद्देश्य सत्ता निर्वासन से सत्ता पुनर्वास और सत्ता में पुनर्वापसी है। राजनीति में सत्ता प्राप्ति और उसे प्राप्त करने के संसाधन सबसे पहले होते हैं, पश्चात शेष सब कुछ। अब इस राजनीतिक कोढ़ की खुजली छत्तीसगढ़ में भी राजनीतिक कारणों से छत्तीसगढ़िया और गैर छत्तीसगढ़िया भेद का सामाजिक संक्रमण पैदा होने की ओर इंगित कर रही है। शत्रु का शत्रु परस्पर मित्र होता है, इसका सबसे विचलित और हतप्रभ करने वाला दृश्य हैदराबाद के भारत समिट में देखने को मिला, जब इटली का समाजवादी और प्रगतिशील (प्रगतिशील विचार वामपंथ का मुखौटा है) राजनीतिज्ञ जियाकोमो फिलिबेक भारत आकर कहता है, ₹वोट चोर गद्दी छोड़₹। इससे अधिक कुछ और घातक नहीं हो सकता। यह भारत की राजनीति में आमंत्रित विदेशी हस्तक्षेप बर्दाश्त से परे है। जो यह बताता है कि आज पदलिप्सा से व्यथित कुछ नेता ही भारत के लिए सर्वाधिक खतरनाक और वीभत्स होते जा रहे हैं। यह सत्ता प्राप्ति के लिए भारत की संप्रभुता को संकट में डाल देने का प्रति-लक्षण है। एक समय वह था जब विपक्ष के नेता के रूप में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी 1994 में मानवाधिकार पर भारत का पक्ष रखने जिनेवा गये थे। वहीं दूसरी ओर आज भारत में विपक्ष इटालियन वामपंथी नेता जियाकोमो फिलिबेक को भारत आमंत्रित कर वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा भी लगवाता है। नेता प्रतिपक्ष का यह कृत्य उनके प्रति सम्मान तो कदापि नहीं अपितु भविष्य में भारत के लिए ₹बंदर से आशनाई, घर में आग लगाई₹ की शंका और संभावना दोनों को एक साथ जन्म देता है। हम अपने घरेलू विवाद में किसी बाहरी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते, यहां तो मामला देश का है। लगता है जैसे इतिहास अपने को दोहरा रहा है, जैसे अपनी व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण तक्षशिला के शासक आंभि ने पोरस पर आक्रमण करने के लिए सिकंदर को आमंत्रित किया था। लेकिन सबसे पहले आंभि को ही सिकंदर की अधीनता स्वीकार करनी पड़ी थी। बदलते राजनीतिक क्रम में अब राजनीतिक दल और सरकारें वोट प्रतिशत के आधार पर संबंधित जातीय संगठनों का एकीकरण कर रही हैं।

जिसके तहत विभिन्न वर्गों के लिए उनकी सामूहिक जातीय अनुभूतियों का राजनीतिकरण करने का प्रयास कर रही हैं। जिसके अंतर्गत जातीय शिखर पुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण और योजनाओं का संचालन कर रही हैं। लेकिन अभी तक तो यही होता रहा है कि, जिनके लिए भी योजनाएं संचालित हुई हैं, उनके लिए परिणाम ₹दूल्हे को पत्तल नहीं और बारातियों को थाली₹ जैसी ही रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि सांप्रदायिकता से कहीं अधिक घातक राजनीति में जात्यांधता सिद्ध होगी।

सड़क हादसे में दिवंगत आरक्षक के परिवार को मिली 1 करोड़ की सहायता राशि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पुलिस अधीक्षक व एसबीआई के शाखा प्रबंधक ने दिवंगत आरक्षक की पत्नी को सौंपा चेक

सूरजपुर। सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए जिले के आरक्षक अभय पाण्डेय की पत्नी को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के तहत एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल व भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक बृजेश गुप्ता ने आरक्षक की धर्मपत्नी पूनम पाण्डेय को यह राशि चेक के माध्यम से सौंपी। आरक्षक अभय पाण्डेय जिले में आरक्षक के पद पर थाना विश्रामपुर में पदस्थ थे। उनका निधन 2 फरवरी को एक सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस घटना पर पुलिस विभाग ने गहरा शोक व्यक्त किया था। पुलिस

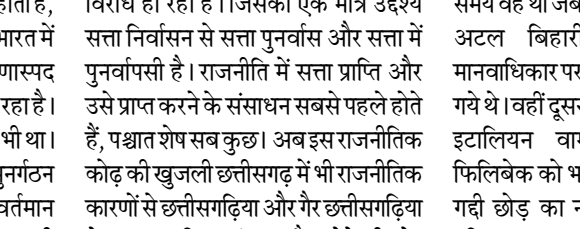


अधीक्षक ने शाखा प्रबंधक की मौजूदगी में 17 नवम्बर को आरक्षक की पत्नी पूनम पाण्डेय व पुत्र को सांत्वना देते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा से एक करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया। यह सहायता पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई है। दिवंगत आरक्षक की पत्नी ने आर्थिक सहायता प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, गृह पुलिस विभाग और बैंक प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। विदित हो कि आरक्षक की आकस्मिक मृत्यु उपरान्त उनके पुत्र निर्भय पाण्डेय को जिला एमसीबी में आरक्षक (अ) के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है जो वर्तमान में जिले में अचैट रहकर कार्यरत है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना का मुख्य उद्देश्य ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी, कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि, ईएलसी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने लहराया परचम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) के अंतर्गत आयोजित विकासखंड स्तरीय प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता 2026 में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम रोशन किया है।प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा मायावती ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। कठिन सवालों के बीच भी उन्होंने अपनी सटीक समझ, आत्मविश्वास और चुनावी साक्षरता से जुड़े गहन ज्ञान का परिचय दिया। वहीं, निबंध प्रतियोगिता में छात्रा मायावती व छात्र अमन कुमार साहू को उत्कृष्ट



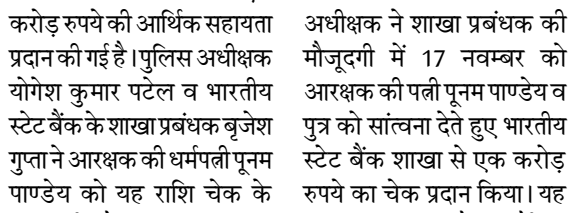
प्रदर्शन हेतु प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ। दोनों विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में लोकतंत्र, मतदान के महत्व, मतदाता जागरूकता और युवा मतदाताओं की भूमिका जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं शैक्षणिक रुचि का परिणाम है। इसके पीछे शिक्षकों का मार्गदर्शन और महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण भी अहम रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में चुनावी साक्षरता, संविधान के प्रति समझ और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महाविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करेंगी और आने वाले समय में महाविद्यालय के विद्यार्थी और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे।

नशीली इंजेक्शन के विक्रेता व सप्लायर सहित 4 गिरफ्तार

82 हजार का इंजेक्शन जप्त, कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कोतवाली पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में नशे के कारोबार में संलिप्त चार आरोपी जिनमे दो सप्लायर भी शामिल है को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब 82 हजार रुपये की दवाएं जप्त की गई है जिनका उपयोग नशे के रूप में किया जाता है और उक्त दवाओं को बिक्री के लिए लाया गया था। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के द्वारा नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाने के निर्देश दिये गए हैं। जिस पर जिले की पुलिस सक्रियता से काम करते हुए नशे के खिलाफ अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी तारतम्य में बीते मंगलवार को कोतवाली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि शहर के भैयाथान रोड़ का संतोष साहू उर्फ मोनू अपने घर में अवैध रूप से नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां संतोष साहू उर्फ मोनू पिता राजकुमार साहू 24 वर्ष मिला जिसकी उपस्थिति में विधिवत मकान की तलाशी लेने पर एविल इंजेक्शन 33 नग व आईपीपीएल इंजेक्शन 100 नग बरामद हुआ जिसकी बाजारू कीमत करीब 67 हजार रुपए बताई गई है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 22(सी), 29(1) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर

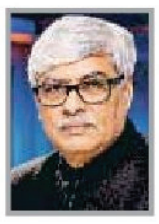


आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। दूसरे मामले में मंगलवार को थाना सूरजपुर पुलिस को ही मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ है कि चन्दरपुर निवासी नंदकेश्वर साहू अपने घर में अवैध रूप से नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और नंदकेश्वर साहू की मौजूदगी में विधिवत्मकान की तलाशी लेने पर एविल इंजेक्शन 15 नग, आईपीपीएल इंजेक्शन 6 नग एवं रेक्सोजेसिक इंजेक्शन 8 नग कुल 29 नग इंजेक्शन बरामद हुआ जिसकी कीमत बाजारू कीमत करीब 15 हजार रुपए है। पूछताछ पर उसने बताया कि उक्त नशीली इंजेक्शन को रहमान निवासी देवनगर एवं ममसाद अली उर्फ गुड्डा निवासी रामानुजनगर के पास से खरीदकर लाना बताया। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उक्त दोनों को पकड़ा। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी), 29(1) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी नंदकेश्वर साहू चन्द्रपुर देवल्लापारा सूरजपुर, ममसाद अली उर्फ गुड्डा पिता रहमत अली 44 वर्ष त्रिपुरेश्वरपुर डगमला थाना रामानुजनगर और रहमान उर्फ अब्दुल रहमान पिता स्व. मोहम्मद रमजान 47 वर्ष निवासी देवनगर नवापारा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी प्रहलाद यादव, पीएसआई नागेश कुमार, पप्पू यादव,प्रधान आरक्षक बृजकिशोर धुर्वा, आरक्षक राजू एक्का, चंदकुमार साहू, रविराज पाण्डेय, रूचि रजक, परमेश्वर राजवाड़े, रामेश्वर जगनायक महिला आरक्षक पिंकी सोनवानी सक्रिय रहे।

चिंतन

घर के भेदियों पर रखनी होगी नजर

देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी अपने सुरक्षा तंत्र के भीतर मौजूद कमजोर कड़ियों को पहचानना भी है। युद्ध और जासूसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमाओं पर घुसपैठ या सैन्य टकराव के जरिये चुनौती नहीं दे रहा, बल्कि वह हमारे ही लोगों को लालच, प्रलोभन और ब्लैकमेल के जाल में फंसाकर देश की संवेदनशील सूचनाएं हासिल करने की कोशिश कर रहा है। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित की चेतावनी इसी गंभीर चुनौती की ओर ध्यान खींचती है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। साइबर हमलों और दूसरे तरीकों से भी रक्षा क्षेत्र की गोपनीय जानकारियां जुटाई जा रही हैं। चिंता की बात यह है कि जासूसी के इस खेल में दुश्मन सोशल मीडिया पर दोस्ती और प्रेम संबंधों का सहारा लेने के साथ आर्थिक मजबूरियों को भी हथियार बना रहा है। मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर लोगों से गोपनीय सूचनाएं हासिल करने की कोशिशें हो रही हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आना बताता है कि खतरा केवल आशंका नहीं, बल्कि वास्तविक चुनौती बन चुका है। इन मामलों में नौसेना के दो जवान, वायुसेना का एक विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल होना इस बात का संकेत है कि कोई भी व्यक्ति इस तरह के जाल का निशाना बन सकता है। सुरक्षा तंत्र में शामिल किसी व्यक्ति की एक छोटी-सी चूक भी दुश्मन के लिए बड़ी कामयाबी बन सकती है। सैन्य ठिकानों की स्थिति, हथियारों की क्षमता, तैनाती, अभियानों की योजना और रक्षा अनुसंधान से जुड़ी जानकारी दुश्मन के हाथ लगना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। इसलिए यह मानकर नहीं चला जा सकता कि वर्दी पहनने वाला या किसी रक्षा प्रतिष्ठान में काम करने वाला प्रत्येक व्यक्ति हर परिस्थिति में ऐसे खतरों से सुरक्षित है। सतर्कता और जवाबदेही दोनों जरूरी हैं। जासूसी का दूसरा बड़ा मोर्चा साइबर दुनिया है। रक्षा क्षेत्र में सरकारी संस्थानों के साथ निजी कंपनियों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की भूमिका भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में उनके कंप्यूटर नेटवर्क, सॉफ्टवेयर और डिजिटल संचार व्यवस्था को सुरक्षित रखना अनिवार्य है। किसी निजी कंपनी के नेटवर्क में सेंध लगाकर हासिल की गई जानकारी भी देश की सामरिक क्षमताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। एयरफोर्स चीफ ने निजी रक्षा कंपनियों को सुरक्षित नेटवर्क और सही सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की सलाह देने के लिए एजेंसी की भूमिका का उल्लेख किया है। लेकिन केवल सलाह जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। उसका पालन सुनिश्चित करना और नियमित सुरक्षा ऑडिट करना भी जरूरी है। इसके साथ ही रक्षा प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल, अनजान लोगों से संपर्क, संदिग्ध प्रस्तावों और आर्थिक प्रलोभनों के प्रति जागरूक करना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा केवल हथियारों, मिसाइलों और आधुनिक लड़ाकू विमानों से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि उन सूचनाओं की गोपनीयता से भी जुड़ी होती है, जिनके आधार पर रक्षा रणनीति तैयार होती है। ऐसे में सवाल है कि जब दुश्मन हमारे ही लोगों को मोहरा बनाकर सुरक्षा तंत्र में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है, तो क्या हमारी निगरानी और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था उसकी चालों से दो कदम आगे है? आखिर घर के भेदियों पर नजर रखे बिना देश की सुरक्षा का भरोसा कैसे कायम रह सकता है?



पड़ोस

ओमकार चौधरी

1971 में बांग्लादेश को स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए भारत ने सैनिकों का बलिदान दिया, करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ उठाया व अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना किया था। लेकिन आज उसी बांग्लादेश के साथ रिश्ते अविश्वास और तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। शेख हसीना की सत्ता से विदाई, उनका भारत में रहना, प्रत्यर्पण की मांग और बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों का बढ़ता प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों को नई चुनौती दे रहे हैं। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी तल्खी कम नहीं हुई है। ऐसे में सवाल है कि क्या बांग्लादेश अपनी घरेलू राजनीति में भारत विरोध को हथियार बनाने से बाज आएगा? क्या दोनों देश ऐतिहासिक रिश्तों और साझा हितों को प्राथमिकता देकर अविश्वास की खाई पाट पाएंगे?

भारत-बांग्लादेश संबंध और शेख हसीना

जिस बांग्लादेश के जन्म के लिए 1971 में भारत ने अपने सैनिकों का बलिदान दिया, लगभग एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ उठाया और अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना किया, उसी बांग्लादेश के साथ आज भारत के संबंध असहज हैं। इतिहास, भूगोल, भाषा, संस्कृति और आर्थिक हितों से जुड़े दोनों देशों के बीच अविश्वास की दीवार लगातार ऊंची होती दिखाई देती है। विशेष रूप से 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके भारत आने के बाद संबंधों में जो तनाव पैदा हुआ, वह फरवरी 2026 में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बावजूद समाप्त नहीं हो सका। अब शेख हसीना की संभावित स्वदेश वापसी ने इस विवाद को नया मोड़ दे दिया है। सवाल केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री के प्रत्यर्पण का नहीं, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में भारत की भूमिका, कट्टरपंथी शक्तियों के प्रभाव और दक्षिण एशिया के बदलते सामरिक समीकरणों का भी है। 1947 में पाकिस्तान बनने के साथ ही पूर्वी व पश्चिमी पाकिस्तान के बीच भाषायी, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा आर्थिक असमानताएं सामने आने लगी थीं। पूर्वी पाकिस्तान की बंगाली आबादी को सत्ता में उचित भागीदारी नहीं मिली। 1970 के आम चुनाव में शेख मुजीबुर्रहमान की अवामी लीग को बहुमत मिलने के बावजूद सत्ता हस्तांतरण रोक दिया गया। 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में व्यापक दमन अभियान शुरू किया। लाखों लोग हिंसा से बचने के लिए भारत पहुंचे। दिसंबर 1971 तक लगभग 99 लाख शरणार्थी भारत आ चुके थे। भारत ने मुक्ति वाहिनी को सहयोग दिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के पक्ष में अंतरराष्ट्रीय जनमत तैयार करने का प्रयास किया। 13 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के हवाई हमलों के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ। 16 दिसंबर को ढाका में पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र बना। इस ऐतिहासिक योगदान को नकारना संभव नहीं। लेकिन विडंबना है कि स्वतंत्रता के बाद भी बांग्लादेश की राजनीति का एक प्रभावशाली हिस्सा भारत के प्रति संदेह और विरोध की राजनीति करता रहा। बांग्लादेश के भीतर भारत विरोधी राजनीति की जड़ें केवल हाल के घटनाक्रमों में नहीं हैं। 1971 में पाकिस्तान का समर्थन करने वाली जमात-ए-इस्लामी जैसी शक्तियां स्वतंत्रता के बाद भी राजनीतिक रूप से सक्रिय रहीं। शेख मुजीबुर्रहमान की 15 अगस्त 1975 को हत्या के बाद बांग्लादेश की सत्ता और वैचारिक दिशा में बड़े परिवर्तन हुए। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच पूर्व में राजनीतिक गठबंधन भी रहे हैं। भारत के साथ जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और व्यापार से जुड़े वास्तविक विवादों को भी समय-समय पर भारत विरोधी राजनीतिक अभियान का आधार बनाया गया। अवामी लीग के शासनकाल में भारत के साथ सहयोग अपेक्षाकृत मजबूत रहा। विशेषकर 2009 के बाद शेख हसीना ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को महत्व दिया। पूर्वोत्तर भारत से जुड़े उग्रवादी नेटवर्कों के विरुद्ध सहयोग, सीमा प्रबंधन, संपर्क परियोजनाओं और बिजली व्यापार में प्रगति हुई। लेकिन शेख हसीना के शासन में विपक्ष के दमन, लोकतांत्रिक संस्थाओं की



स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल भी उठे। विरोधियों ने भारत पर हसीना सरकार को अत्यधिक राजनीतिक समर्थन देने का आरोप लगाया। इससे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में भारत विरोधी धारणाओं को और जगह मिली। जुलाई 2024 में सरकारी नौकरियों के आरक्षण के विरुद्ध शुरू हुआ छात्र आंदोलन व्यापक सरकार विरोधी विद्रोह में बदल गया। प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई के आरोपों और राजनीतिक संकट के बीच 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना ने सत्ता छोड़ी तथा भारत आ गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। इस अवधि में भारत-बांग्लादेश संबंध तेजी से बिगड़े। बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों, अवामी लीग से जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध हिंसा और भारतीय हितों को लेकर आक्रामक बयानों ने नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ाईं। दूसरी ओर, ढाका की मुख्य मांग थी कि भारत शेख हसीना को वापस भेजे, ताकि उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जा सके। नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 2024 के दमन से संबंधित मानवता के विरुद्ध अपराधों के मामले में हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मृत्युदंड सुनाया। इसके बाद प्रत्यर्पण का विवाद और गंभीर हो गया। भारत सरकार ने संसद की विदेश मामलों की समिति को बताया कि प्रत्यर्पण अनुरोध पर सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार विचार कर रहे हैं। 12 फरवरी 2026 के संसदीय चुनाव में बीएनपी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और 17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने। जमात-ए-इस्लामी 68 सीटें जीतकर प्रमुख विपक्षी शक्ति के रूप में उभरी। यह बांग्लादेश की राजनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन था, क्योंकि 1971 में पाकिस्तान का समर्थन करने वाला संगठन अब संसदीय विपक्ष का नेतृत्व कर रहा है। बांग्लादेश की बदलती विदेश नीति भारत के लिए एक अलग सामरिक चुनौती है। जून 2026 में तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे और बंदरगाह परियोजनाओं पर विशेष जोर दिया गया। चीन पहले से बांग्लादेश को महत्वपूर्ण सैन्य उपकरण उपलब्ध कराता रहा है। पाकिस्तान के साथ भी संपर्क बढ़ा है। जनवरी 2026 में ढाका और कराची के बीच लगभग 14 वर्षों बाद सीधी विमान सेवा बहाल हुई। सितंबर में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई। भारत के दृष्टिकोण से चिंता केवल बांग्लादेश के चीन या पाकिस्तान से संबंध रखने की नहीं है। इस बीच राजनयिक संवाद पूरी तरह बंद नहीं हुआ। अप्रैल में बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने भारतीय विदेश मंत्री से मुलाकात की। भारत ने दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त नियुक्त किया। व्यापार संबंधी बातचीत भी दोबारा शुरू हुई। इसके बावजूद 16 नवंबर 2026 तक दोनों प्रधानमंत्रियों की प्रस्तावित द्विपक्षीय मुलाकात नहीं हो सकी है। स्पष्ट है कि संवाद की बहाली और राजनीतिक विश्वास की बहाली अभी दो अलग-अलग प्रक्रियाएं बनी हुई हैं। लेकिन प्रश्न बांग्लादेश की सरकार से भी है। क्या वह अपनी विदेश नीति को घरेलू भारत विरोधी राजनीति से अलग रख पाएगी? क्या अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी? क्या कट्टरपंथी शक्तियों को भारत के विरुद्ध राजनीतिक लामबंदी का अवसर मिलता रहेगा? शेख हसीना की वापसी दोनों देशों के लिए एक परीक्षा अवश्य है, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि क्या बांग्लादेश की नई राजनीतिक व्यवस्था भारत के साथ अविश्वास और टकराव की राजनीति से बाहर निकलने को तैयार है?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

महेन्द्र तिवारी



युवा चेतना से ही उज्ज्वल बनेगा भविष्य

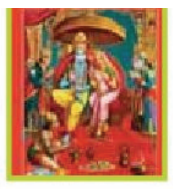
विद्यार्थी किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनके भीतर भविष्य के सपने होते हैं, वर्तमान को समझने की जिज्ञासा होती है और व्यवस्था को बेहतर बनाने का साहस भी होता है। विद्यार्थी केवल पुस्तकों में लिखे पाठों को याद करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और परिस्थितियों को समझने वाला जागरूक नागरिक भी होता है। उसकी सोच में नए विचारों के बीज होते हैं और उसके संकल्प में आने वाले कल की संभावनाएं छिपी होती हैं। इसी महत्त्व को रेखांकित करने के लिए प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विद्यार्थियों के संघर्ष, साहस, अधिकारों, स्वतंत्रता और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस का इतिहास अत्यंत मार्मिक और प्रेरणादायक है। इसकी पृष्ठभूमि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान यूरोप में घटित उन घटनाओं से जुड़ी है, जब जर्मनी के नाजी शासन ने चेकोस्लोवाकिया पर अधिकार कर लिया था। वर्ष 1939 में वहां के विद्यार्थी विदेशी शासन के विरोध में आवाज उठा रहे थे। 28 अक्टूबर को चेकोस्लोवाकिया की स्वतंत्रता की वर्षगांठ के अवसर पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान युवा श्रमिक वाक्लाव सेद्लाचेक़ और चिकित्सा के विद्यार्थी जान ओप्लेताल घायल हुए। बाद में जान ओप्लेताल की मृत्यु हो गई। 15 नवंबर को उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। यह शोक यात्रा धीरे-धीरे नाजी शासन के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन में बदल गई। विद्यार्थियों के इस साहस से भयभीत होकर नाजी शासन ने 17 नवंबर 1939 को कठोर दमनात्मक कार्रवाई की। प्राग और अन्य स्थानों के विद्यार्थी छात्रावासों तथा शिक्षण संस्थानों से गिरफ्तार किए गए। नौ विद्यार्थी नेताओं और शिक्षकों को बिना मुकदमे के मृत्युदंड दे दिया गया। एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को यातना शिविरों में भेज दिया गया और चेक विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया गया। यह घटना केवल विद्यार्थियों पर किया गया अत्याचार नहीं थी, बल्कि विचारों की स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और मानवीय गरिमा पर किया गया आघात भी थी। इन बलिदानों की स्मृति में 1941 में लंदन में 17 नवंबर को अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। तब से यह दिन दुनिया भर में विद्यार्थी एकता और स्वतंत्रता के संघर्ष का प्रतीक बन गया। हालांकि आज का विद्यार्थी अनेक चुनौतियों से भी जूझ रहा है। शिक्षा का बढ़ता खर्च, महंगी पुस्तकें, निजी शिक्षण संस्थानों की भारी फीस, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव और रोजगार की अनिश्चितता उसके सामने गंभीर समस्याएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और इंटरनेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना अब भी आसान नहीं है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को विवश हो जाते हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाती है। वह सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है। एक शिक्षित विद्यार्थी अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझता है। वह समाज में फैली कुरीतियों, अंधविश्वास, भेदभाव, जातिगत संकीर्णता और लैंगिक असमानता के विरुद्ध तार्किक दृष्टिकोण विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित कर देना उसके व्यापक उद्देश्य को कमजोर करना है। अन्तरराष्ट्रीय छात्र दिवस हमें यह संदेश देता है कि विद्यार्थी केवल अपने परिवार का भविष्य नहीं, बल्कि राष्ट्र और मानवता की आशा भी हैं। उनकी आवाज में समाज को बदलने की शक्ति है और उनके विचारों में नई सभ्यता के निर्माण की संभावना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विद्यार्थियों को केवल भविष्य का नागरिक न मानें, बल्कि वर्तमान का सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार भी समझें। उनकी समस्याओं को सुनें, उनकी प्रतिभा को अवसर दें और उनके प्रश्नों का सम्मान करें। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति उसके भवनों, सड़कों और आर्थिक आंकड़ों से ही नहीं, बल्कि उसकी युवा पीढ़ी की शिक्षा, सोच और चरित्र से भी मापी जाती है। 17 नवंबर का यह दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का दीपक कभी बुझना नहीं चाहिए और स्वतंत्र विचारों की आवाज कभी दबनी नहीं चाहिए। क्योंकि आज का जागरूक विद्यार्थी ही कल के सशक्त, समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माता है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकर सहज स्वरूप सम्हारा



श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के



संकलित

दर्शन

सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। कथा श्रवण में इतनी रुचि, यह दूसरी भक्ति शिव में है।

मृत्यु अटल है, जो ये समझते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे



एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि



संकलित

प्रेरणा

तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

अंतर्मन



आज की पाती

जब ठहर गया अमेरिका का आसमान

अमेरिका से आई विमानन क्षेत्र की खबर केवल एक देश के हवाई यातायात में आई अव्यवस्था की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भर होती दुनिया के सामने खड़े एक बड़े खतरे का संकेत भी है। जिस अमरीका को तकनीकी विकास, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अग्रणी देश माना जाता है, उसी के हवाई यातायात तंत्र में आई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी ने हजारों उड़ानों को प्रभावित कर दिया। गत 13 नवंबर को अमरीका के संघीय विमानन प्रशासन ने हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या के कारण देशभर से उड़ान भरने वाले विमानों पर अस्थायी रोक लगा दी। यह फैसला सामान्य परिचालन बाधा नहीं था, बल्कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया एक असाधारण कदम था। -सचिन शर्मा, सोनीपत

ट्रेंड

जन्मदिन की शुभकामनाएं



बिहार के मुख्यमंत्री समाट चौधरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे बिहार के विकास को गति देने और प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर अनेक प्रयास कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। -नरेंद्र मोदी, पीएम

सपा महत्वपूर्ण सहयोगी



सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। उत्तर प्रदेश के लोग बदलाव चाहते हैं। पार्टी इंडि गठबंधन के साथ मिलकर जनता के सामने बेहतर विकल्प देगी। -राहुल गांधी, नेता विपक्ष

मिलकर चुनाव लड़ेंगे



समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। गठबंधन में प्रत्याशी चयन का आधार उसकी योग्यता और जीतने की क्षमता होगी। जिस उम्मीदवार को सबसे बेहतर माना जाएगा, गठबंधन की ओर से उसी को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा और जिताया जाएगा। -अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

ये महाकाल की धरती



मेरे इंदौर आने और कार्यक्रम को रोकने की कई बार कोशिशें की गईं। मुझे मारने की धमकी तक दी गई है। लेकिन मैं घबराने वाला नहीं हूं। ये महाकाल की धरती है और यहां आने से हमें कोई नहीं रोक सकता। 'सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में। किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है।' -दिलजीत दोसांझ, पंजाबी गायक



करंट अफेयर

अचानक यूक्रेन पहुंचे हैरी सैनिकों के जज्बे को सराहा

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं, पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा, 'हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए। 'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा।



ऑफ बीट

ऑर्गेनिक के नाम पर क्या खरीद रहे हैं उपभोक्ता?

'ऑर्गेनिक' (जैविक) एक ऐसा शब्द है, जिसका सामना हम हर बार सुपरमार्केट में खरीदारी करते समय करते हैं। हालांकि, अलग-अलग लोगों के लिए इसके मायने भी अलग-अलग हो सकते हैं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि स्वाद, गुणवत्ता, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और स्वास्थ्य व सुरक्षा से जुड़े संभावित लाभ उपभोक्ताओं को 'ऑर्गेनिक' खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। शोध से पता चलता है कि अच्छे भोजन की तलाश लोगों को सुपरमार्केट से निकालकर सीधे किसानों और उत्पादकों तक, यहां तक कि अपने घर के बगीचों तक ले जा सकती है। एक सर्वेक्षण में सामने आया था कि 'ऑर्गेनिक' उत्पाद नहीं खरीदने वाले अधिकतर लोगों के लिए उनकी ऊंची कीमत एक बड़ी बाधा थी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर वे किस चीज के लिए धन खर्च कर रहे हैं? आम तौर पर 'ऑर्गेनिक' खेती ऐसी कृषि पद्धति मानी जाती है, जो मिट्टी, पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। इसके तहत मिलने वाला प्रमाणन यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि 'ऑर्गेनिक' उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला के हर चरण में निर्धारित मानकों पर खरे उतरें। हालांकि, मेरे शोध से पता चला कि उपभोक्ता 'ऑर्गेनिक' खाद्य पदार्थों की पहचान जरूरी नहीं कि उनके पैकेट पर लगे प्रमाणन चिह्न या लेबल से ही करते हों।



कानपुर पुल की मरम्मत से पुरवा मार्ग पर दबाव बढ़ा, मिरी चौराहे पर दो किमी तक लगा भीषण जाम

उन्नाव। कानपुर पुल की मरम्मत के चलते पुरवा मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। सोमवार शाम चार बजे पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मिरी चौराहे पर भीषण जाम लग गया। वाहनों की कतारें करीब दो किलोमीटर तक फैल गईं।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विनायक सिंह आ०/पति अशोक कुमार सिंह जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 718, 719/9 रकबा 0.05. 0.05 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.12.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०- /अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वसीम खान आ० नसीमुद्दीन निवासी रसूलपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2490/1 रकबा 0.108 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर अनावेदकगण का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 09.12.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस व्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 17/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० ब/121 वर्ष
ग्राम-द्वारिकानगर प०ह०न०
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामपति आ० स्व० बहोरा जाति गोड़ निवासी ग्राम द्वारिकानगर प०ह०नं० रा०नि०म० तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री बडे पिता स्व. छतर का जन्म/मृत्यु दिनांक 10-05-2009 को ग्रामद्वारिकानगर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत द्वारिकानगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30/11/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 16/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील लटोरी
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०- 6535अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका शालिनी वर्मा पति श्री सुयश वर्मा, निवासी मकान 237 वार्ड नं. शक्ति वार्ड गोपाल होटल के पिछे, बसंत टेंट हाउस के सामने सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि अनावेदकगण श्रीमती रंजना वर्मा पति स्व. विनय कुमार वर्मा, श्री सुयश वर्मा आ.स्व. विनय कुमार वर्मा, निवासी मकान 237 वार्ड नं. शक्ति वार्ड गोपाल होटल के पिछे, बसंत टेंट हाउस के सामने सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला-सत्तीपारा शीट नं. 02 स्थित नजूल भूखण्ड क्र. 582 रकबा 1306.80 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 का निष्पादन आवेदिका के पक्ष में किया गया है। तत्पश्चात उक्त पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त आवेदित भूमि अनावेदकगण का नाम विलोपित करते हुये स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 20.08.2025 की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-27/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

16 दिसंबर तक जुड़वा या सुधरवा सकेंगे अपना नाम

यूपी की वोटर ड्राफ्ट सूची जारी, 7 महीने में बढ़े 19 लाख नए मतदाता, महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी की वोटर का एसएसआर किया जा रहा है। आज एसएसआर की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी गई। जिसके तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल 13.58 करोड़ मतदाता हैं...

गलवार को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के ताबिक, प्रदेश में पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 रोड़ 38 लाख 58 हजार 510 है। पिछली सूची पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 करोड़ 30 लाख 1 हजार 61 है। पिछली सूची के मुकाबले लगभग 87 लाख पुरुष मतदाता बढ़े हैं। प्रदेश में महिला तदाताओं की संख्या भी बढ़ी है। ड्राफ्ट वोटर स्ट में महिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़ 0 लाख 6 हजार 353 है। वहीं, पिछली सूची में हिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़ 9 लाख 9 जार 525 थी। महिला मतदाताओं की संख्या रीब 10.97 लाख बढ़ी है।



अनुमानित आबादी से 2.58 करोड़ मतदाता कम

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट और साल 2026 की अनुमानित आबादी के आंकड़ों में एक अंतर देखने को मिला है। अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की आबादी के हिसाब से तकरीबन 16.16 करोड़ मतदाता होने चाहिए लेकिन ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में सिर्फ 13.58 करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज है। यानी अनुमानित संख्या के मुकाबले वोटर लिस्ट में तकरीबन 2 करोड़ 58 लाख मतदाता कम हैं।

युवा मतदाताओं की संख्या में आई कमी

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के मुताबिक, युवा मतदाताओं की संख्या कम हुई है। नई लिस्ट में 11 लाख 83 हजार 352 मतदाता हैं, जबकि 10 अप्रैल की पिछली सूची में इनकी संख्या 17 लाख 63 हजार 360 थी। युवा मतदाताओं की संख्या करीब 5.80 लाख घटी है। नई सूची में जेंडर रेशियो 840 है जबकि पिछली सूची में यह 834 था. वहीं, ईपी रेशियो यानी मतदाता-जनसंख्या अनुपात भी 55.17 से बढ़कर 55.95 हो गया है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, किसी जानकारी में सुधार कराने या आपत्ति दर्ज कराने के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक का समय दिया गया है। दावे और आपत्तियों का निपटारा 28 दिसंबर तक किया जाएगा। चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने, सुधार कराने या अन्य कोई आपत्ति दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया है। 4 जनवरी 2027 को फाइनल वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा।

नवीन ने उप्र भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक में मिशन-2027 की तैयारियों को परखा

कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा 2027 में लगातार तीसरी बार हासिल करेगी ऐतिहासिक विजयः नितिन नवीन

▶▶ नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को मथुरा के परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुई। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उपस्थित पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान आगामी तीन महीनों की कार्ययोजना, संगठनात्मक गतिविधियों, सहयोगी दलों के साथ समन्वय और वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का उत्तर प्रदेश में यह पांचवां प्रवास है, इससे पहले वे पश्चिम, अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं।

इस दो दिवसीय योजना बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मथुरा पहुंचने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री पंकज चौधरी तथा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक ने स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात सभागार में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन की तैयारियों, व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने, केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस, आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम सहित किसी भी विपक्षी दल को उत्तर प्रदेश में सफलता नहीं मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा चिह्नित देश की चार प्रमुख श्रेणियों - महिला, गरीब, युवा और किसान, के सशक्तिकरण और कल्याण को लक्ष्य बनाकर केंद्र और प्रदेश सरकार ने अनेक योजनाएं संचालित की हैं। भाजपा इन्हीं उपलब्धियों और जनकल्याणकारी कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाएगी।

पूर्वांचल में सपा का शक्ति प्रदर्शन

गोरखपुर में अखिलेश यादव का 20 किमी लंबा रोड शो आज

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बार गोरखपुर केवल एक कार्यक्रम में शामिल होने नहीं आ रहे, बल्कि सियासी ताकत का बड़ा संदेश देने की तैयारी में हैं। चौरी चौरा के देवकली में 18 नवंबर को होने वाले उनके कार्यक्रम का स्वरूप बदल दिया गया है। अब इसमें करीब 20 किलोमीटर का रोड शो भी जोड़ दिया गया है।

अखिलेश यादव गोरखपुर एयरपोर्ट से पीडीए रथ पर सवार होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। पार्टी की रणनीति इस आयोजन को पूर्वांचल में शक्ति प्रदर्शन के रूप में स्थापित करने की है।



दो घंटे से अधिक समय में पूरा होगा रोड शो

अखिलेश यादव 18 नवंबर को दोपहर 12 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से रोड शो शुरू होगा, जो करीब दो घंटे से अधिक समय में पूरा होगा। रोड शो को देखते हुए पार्टी ने कार्यकर्ताओं की जुटान का दायरा भी बढ़ा दिया है।

नीतीश सेतु पर सियासत से नाराज ललन का आरजेडी पर पलटवार

एजेंसी ▶▶ पटना



कच्ची दरगाह-राघोपुर-बिदुपुर सिक्स लेन ब्रिज का नाम नीतीश सेतु रखे जाने पर सियासत का दौर तेज है।

शपथ पत्र

मैं जयराम कुमार सिंह पिता सुदेश उम्र 19 वर्ष निवास - गाँव भवरमाल तहः पाल रामानुजगंज जिला-बलरामपुर (छ.ग) पिन कोड 497220 का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :-

1 मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड नम्बर 741723220366 है, जिसमे मेरे स्वयं का जय राम सिंह (JAI RAM SINGH) पिता का नाम सुदेश (SUDESH) अंकित है, जो मेरे स्वयं का नाम है। 3. मैं वर्तमान में स्वयं का नाम सुधार कर दसवी के अंकसूचि के आधार पर वास्तविक नाम जयराम कुमार सिंह (JAYRAM KUMAR SINGH) पिता का नाम सुदेश (SUDESH) आधार कार्ड नम्बर 741723220366 में स्वयं का नाम दर्ज करना चाहता है।

4. यह शपथ पत्र में उल तथ्यों के संबंध में स्वतः का शपथ पत्र निष्पादित कर रहा है। मैं जयराम कुमार सिंह पिता सुदेश उम्र 19 वर्ष, निवासी गाँवः- भवरमाल पोस्ट :- चन्द्रनगर थाना रामानुजगंज तहसील रामानुजगंज जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) पिन कोड 497220 का सत्यापित करता हूं, कि उपर लिखे कडिका क्र 1 से लेकर 4 तक मेरी निजी ज्ञान व जानकारी सत्य एवं सही है।

जयराम कुमार सिंह
शपथकर्ता

श्री कृष्ण लीला महोत्सव में सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की भावपूर्ण लीला का किया गया मंचन

संवाददाता

बांगरमऊ, उन्नाव। श्री दुर्गेश्वर कृष्ण लीला समिति द्वारा आयोजित 74वें कृष्ण लीला महोत्सव के पंचम दिवस महादानी सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र की भावपूर्ण लीला का मंचन किया गया। वृंदावन से पधारे कलाकारों ने सत्य, धर्म, त्याग और दान की ऐसी जीवंत झांकी प्रस्तुत की कि पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया। दर्शकों की आंखें कई बार नम हो गईं और सत्य की विजय पर जयकारे गूंज उठे। लीला के प्रारंभ में सर्वप्रथम ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अर्जुन लाल दिवाकर, पप्पू त्रिवेदी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बाला राव गुप्ता ने ठाकुर जी का पूजन कर एवं आरती उतारकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लीला में दशार्या गया कि महर्षि विश्वामित्र महाराजा हरिश्चंद्र की परीक्षा लेते हैं। परीक्षा की घड़ी में उन्होंने महाराजा से उनका राज-पाट, स्वर्ण-आभूषण, समस्त वैभव ले लिया और उनके ऊपर 60 भर सोने का कर्ज भी चढ़ा दिया। धर्म-संकट में पड़े महाराजा सत्य से विचलित नहीं हुए। कर्ज चुकाने के लिए वे काशी नगरी पहुंचते हैं। काशी में उन्होंने अपनी पत्नी तारामती और पुत्र रोहिताश्व की बोली लगाई। एक पंडित जी द्वारा उनकी पत्नी व पुत्र को 40 भर सोने में सेवा कार्य के लिए रख लिया जाता है। वहीं एक डोम राजा द्वारा महाराजा हरिश्चंद्र को श्मशान घाट पर अंतिम क्रिया करने के लिए रख लिया जाता है।

मेला परिसर का नगर अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

सुमेरपुर, उन्नाव। नगर पंचायत भगवंतनगर में 24 नवंबर से शुरू होने वाले पांच दिवसीय ऐतिहासिक 'हटिया मेले' की तैयारियों को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष शुक्ला 'रिंकू' ने प्रशासनिक टीम के साथ मेला परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेला मैदान में ईंट, निर्माण सामग्री, निजी सामान और गोबर (घूर) डालकर किए गए अवैध अतिक्रमण पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित लोगों को दो दिन के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया और स्पष्ट चेतावनी दी कि तय समय-सीमा के बाद जेसीबी (बुलडोजर) चलवाकर परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

शपथ-पत्र

मैं अरविंद पैकरा पिता पानसे पैकरा उम्र 40 वर्ष जाति कवर निवासी ग्राम नावाडीह कला पोस्ट चांदों थाना चांदो व तहसील चांदो जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ की मूल निवासी हूं जो कि निम्न कथन है शपथ करता हूं कि 1. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मैं उक्त पते पर स्थाई निवास करता हूं 2. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मैं अरविंद पैकरा सुपुत्र पानसे पैकरा ग्राम नवाडिह कला पोस्ट चांदो थाना चांदो व तहसील चांदो जिला बलरामपुर रामानुजगंज छत्तीसगढ़ अपने नाबालिक पुत्र संदीप पैकरा (पुराना नाम) का नाम बदलकर संतोष पैकरा (नया नाम) करना चाहता है जिस हेतु समाचार पत्र में प्रकाशित करने हेतु अप कथन की पुष्टि हेतु यह शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूं

अरविंद पैकरा
ह. शपथकर्ता

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा०) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध नये एवं पुराने ईमारती काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम -काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक - 27-11-2026
नीलाम समय- प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	0	0	37.525	803
2	साल	940.130	70	2092.350	1786
3	साजा	16.760	1	34.581	122
4	धावड़ा	20.610	0	2.749	321
5	हल्दू	6.114	0	12.493	0
6	मुंडी	0	0	0.910	0
7	सतकठा	35.620	0	114.510	300
8	खम्हार	0	0	5.786	22
9	सलैया (सलई)	1.005	1	5.368	2
10	थंसा	0	0	0.406	0
11	शीशम	0	0	0.322	0
योगः—		1020.239	72	2307.000	3356

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	जलाऊ मिश्रित	-	-
योग :—		-	-

टीप :- 1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

2. केताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व कय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी 262704568/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग मनेन्द्रगढ़ जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-4377/ठक्ळ-4/2026-2027/वलेलि दिनांक 16/11/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम 25/11/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक ठेकेदारों दवारा प्रस्तत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथिः- 01/12/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा खोलने की तिथि :-02/12/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.pwd.cg.nic.in में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र की कीमत 750/- है इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे) बैंक साल्वेंसी (रू.में) कार्य की अवधि
1	2	3
4 T0031	जिला एमसीवी अंतर्गत कलेक्टर बंगला में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण	7.66 5750.00 114900.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित
4 T0032	जिला एमसीवी अंतर्गत कलेक्टर बंगला में किचन कक्ष एव डाइनिंग कक्ष का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण	7.68 5760.00 115200.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित
4 T0033	जिला एमसीवी अंतर्गत तहसील जनकपुर एवं शासकीय महविद्यालय जनकपुर में शौचालय का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण	5.15 3780.00 77250.00 03 माह वर्षा ऋतु सहित

कार्यपालन अभियंत्य
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग मनेन्द्रगढ़
जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

जी 262704556/1

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-27/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीता यादव पुत्री स्व. जवाहिर यादव व अन्य, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम रनपुरकला स्थित खसरा नंबर 108/10, 486/41 - रकबा क्रमशः 0.567, 0.809 है. भूमि का आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य में बराबर-बराबर भागों में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ तैयार करेगा बच्चों के लिए देश का पहला बाल कल्याण फ्रेमवर्क, बस्तर-सरगुजा पर विशेष फोकस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़-2047 के लिए राज्य सरकार बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर देश का पहला बाल कल्याण फ्रेमवर्क तैयार कर रही है। राज्य नीति आयोग और यूनिसेफ मिलकर इसे बना रहे हैं, ताकि योजनाएं अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुखी और साक्ष्य आधारित बनें। बस्तर और सरगुजा के बच्चों की चुनौतियों पर विशेष ध्यान रहेगा। नवा रायपुर स्थित राज्य नीति आयोग में उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में गोलमेज बैठक हुई। इसमें यूनिसेफ के वैश्विक-राष्ट्रीय विशेषज्ञों और विभिन्न विभागों के सचिवों ने फ्रेमवर्क की आधारभूत रिपोर्ट, सूचकांकों, विभागीय समन्वय, लक्षित बजट और परिणाम आधारित वित्तीय व्यवस्था पर चर्चा की।



बच्चों में निवेश ही मजबूत नींव

मिश्रा ने कहा कि 2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब आज के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण, सुरक्षित वातावरण और समान अवसर मिलेंगे। प्रदेश के 97 लाख से अधिक बच्चे भविष्य में किसान, शिक्षक, चिकित्सक, इंजीनियर, वैज्ञानिक और उद्यमी बनेंगे। फ्रेमवर्क से पता चलेगा कि कौन से बच्चे पीछे हैं, योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच रहा है या नहीं।सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम ने कहा कि बाल कल्याण सूचकांक से विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर संसाधनों का न्यायसंगत वितरण होगा।

वैश्विक अनुभवों से बनेगी नीति

यूनिसेफ की वरिष्ठ सलाहकार जेनिफर याब्लोंस्की ने मैक्सिको और मलेशिया के उदाहरण दिए। यूनिसेफ इंडिया की प्रमुख क्रिस्टीना पोपिवानोवा ने कहा कि फ्रेमवर्क से विभागों में समन्वय होगा और जरूरतों को बजट से जोड़ा जाएगा। उन्होंने न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, चिली, कोलंबिया, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अनुभव साझा किए।खेल सचिव यशवंत कुमार ने एनएसएस और माय भारत के युवाओं की सहभागिता का सुझाव दिया। वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा ने कहा कि इससे बजट विकास के वास्तविक परिणामों से जुड़ेगा।

दो सूचकांकों से मापी जाएगी स्थिति

पहला परिणाम सूचकांक होगा, जिससे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और समग्र विकास का पता चलेगा। दूसरा सेवा प्राप्ति सूचकांक होगा, जिससे यह आकलन होगा कि बच्चों को आयु और जरूरत के अनुरूप सेवाएं मिल रही हैं या नहीं।पूरे प्रदेश में लागू करने से पहले एक जिले में पायलट परियोजना शुरू होगी। आर्थिकी एवं सांख्यिकी संचालक तीर्थराज अग्रवाल ने बताया कि विभागों के आंकड़ों को एकीकृत करने के लिए साझा पहचानकर्ता विकसित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास संचालक रेणुका श्रीवास्तव ने बस्तर में पोषण की चुनौतियों की जानकारी दी। बैठक का संयोजन संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गोरडिया ने किया। उन्होंने बताया कि 12 से अधिक विभाग बाल विकास के लिए काम कर रहे हैं। समन्वय, वंचित क्षेत्रों की पहचान और जरूरत के अनुसार बजट उपलब्ध कराना फ्रेमवर्क के प्रमुख उद्देश्य हैं।

विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे अहम - राज्यपाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, जहां करीब 35 प्रतिशत आबादी युवा है। यही युवा शक्ति वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने में सबसे अहम भूमिका निभाएगी। युवाओं की शिक्षा, कौशल, कड़ी मेहनत और नवाचार से ही देश की प्रगति की दिशा तय होगी। राज्यपाल लोक भवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में 'मेरा युवा भारत' द्वारा आयोजित 'वंदे मातरम्-राज्य युवा शिविर' में विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। 17 से 23 नवंबर तक चलने वाले सात दिवसीय शिविर में महाराष्ट्र, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर के युवा हिस्सा ले रहे हैं।



राष्ट्रीय एकता और संस्कृति का आदान-प्रदान

राज्यपाल ने कहा कि ऐसे शिविर अलग-अलग राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विचारों को जानने का अवसर देते हैं। इससे सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए इसे मातृभूमि के प्रति प्रेम, समर्पण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया।

सफलता का मूल मंत्र

युवाओं को धैर्य, दृढ़ता, स्पष्ट उद्देश्य, निरंतर प्रयास, कठोर परिश्रम और अनुशासन अपनाने की सलाह दी। कहा कि आज का काम कल पर टालने की आदत से बचें, समय की पाबंदी ही सफलता की असली नींव है।

गांवों की ओर रुख और कृषि में नवाचार

राज्यपाल ने युवाओं को गांवों की जरूरतें समझकर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर तलाशने को कहा। कृषि को उद्यमिता और स्टार्टअप का माध्यम बनाने, जैविक खेती, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने की अपील की।

बस्तर में सकारात्मक बदलाव

बस्तर का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां सुरक्षा होती है, वहीं शांति और विकास होता है। नक्सलवाद का प्रभाव कम होने और सुरक्षा बेहतर होने से बस्तर में शांति स्थापित हुई है। अब वहां मोबाइल टावर, रेडियो, टेलीविजन की पहुंच बढ़ी है और बच्चे नियमित स्कूल जा रहे हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों के प्रतिभाशाली युवा स्वयंसेवकों को सम्मानित किया और उनके सवालों के जवाब दिए। शुरूआत में 'मेरा युवा भारत' के राज्य निदेशक अर्पित तिवारी ने शिविर के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी और युवा प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने दीपावली मिलन समारोह में पद्मश्री मदन सिंह चौहान से की आत्मीय भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मश्री से सम्मानित संगीत साधक मदन सिंह चौहान से आत्मीय भेंट की और उन्हें दीपावली की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने संगीत साधना के प्रति चौहान के संघर्ष, समर्पण और कला के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री समारोह में एक-एक टेबल पर पहुंचकर अतिथियों से मुलाकात कर रहे थे।



टिन के पीपे से शुरू हुआ संगीत का सफर

संगीत सीखने की लगन सच्ची हो तो साधन कभी राह का रोड़ा नहीं बनते। रियाज के लिए जब कोई वाद्य यंत्र नहीं मिला, तो चौहान ने टिन के पीपे को ही ढोलक बना लिया और उसी पर थाप देकर साधना शुरू की। ढोलक से तबले तक का सफर तय किया और करीब 30 वर्षों तक तबला बजाने के बाद आज सूफी गायकी में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने साधना जारी रखी। गजल एवं सूफी गायन में विशेष मुकाम हासिल करने पर भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया। लोग उन्हें स्नेह से 'गुरुजी' कहते हैं।

स्पेस ऑन व्हील से जनजातीय अंचलों के बच्चों तक पहुंच रहा अंतरिक्ष विज्ञान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जिन बच्चों के लिए उपग्रह अब तक आसमान में चमकते बिंदु भर थे, उनके सामने अब इसरो के उपग्रहों के मॉडल मौजूद हैं। विज्ञान को प्रयोगशालाओं और बड़े संस्थानों तक सीमित न रखकर गांवों और स्कूलों तक पहुंचाने में जुटी विज्ञान भारती की इस पहल की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सराहना की। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में विज्ञान भारती के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।



मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीय भेंट की और जनजातीय अंचलों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान और नवाचार के प्रति जिज्ञासा नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जनजातीय अंचलों के बच्चों को देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित कराने से उनमें नई चीजों को जानने-समझने की रुचि बढ़ेगी।

क्या है स्पेस ऑन व्हील

संस्था के प्रतिनिधि वर प्रसाद कोला ने बताया कि विज्ञान भारती राष्ट्रीय स्तर की संस्था है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। संस्था स्वदेशी विज्ञान आंदोलन के माध्यम से भारतीय वैज्ञानिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित कर रही है। इसमें वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ नई पीढ़ी के वैज्ञानिक भी जुड़े हैं। इसरो, आईसीएमआर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े विशेषज्ञों का भी योगदान है। दूरस्थ अंचलों तक विज्ञान की जिज्ञासा पहुंचाने के लिए विज्ञान भारती 'स्पेस ऑन व्हील' पहल संचालित कर रही है। इस विशेष वाहन में इसरो द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों के मॉडल और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी प्रदर्शन सामग्री रखी जाती है। वाहन के साथ मौजूद वैज्ञानिक और प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों को उपग्रहों, अंतरिक्ष अभियानों और अनुसंधान की कार्यप्रणाली सरल भाषा में समझाते हैं। इससे उन बच्चों को भी अंतरिक्ष विज्ञान को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है, जिनके लिए वैज्ञानिक संस्थानों तक पहुंचना आसान नहीं है। इस अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. कुशकुमार नायक तथा एनआईटी रायपुर के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार सिसोदिया भी उपस्थित रहे।

नर्सिंग ऑफिसर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू, 9 मांगों को लेकर प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नियमितीकरण, ग्रेड पे और वेतन वृद्धि समेत 9 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के नर्सिंग ऑफिसर्स 18 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इससे सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। आंदोलन के तहत प्रदेश के सभी 10 मेडिकल कॉलेज परिसरों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक प्रदर्शन किया जा रहा है। इसमें चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत नियमित, संविदा और डेली वेजेस स्टाफ नर्स शामिल हैं। संगठनों ने आंदोलन की सूचना स्वास्थ्य मंत्री और आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा को दे दी है।



2018 की कमेटी रिपोर्ट लागू करने समेत 9 मांगें

प्रमुख मांगों में वर्ष 2018 में गठित कमेटी की रिपोर्ट लागू करना, संविदा, डेली वेजेस और ठेका स्टाफ का नियमितीकरण, ग्रेड पे लागू करना, वेतन वृद्धि और सेवा से जुड़ी अन्य मांगें शामिल हैं।

21 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास घेराव की चेतावनी

नर्सिंग ऑफिसर्स ने चेतावनी दी है कि यदि 2-3 दिनों के भीतर ग्रेड पे को लेकर आदेश जारी नहीं हुआ, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। 21 नवंबर को प्रदेशभर के नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी नवा रायपुर स्थित प्रदर्शन स्थल से मुख्यमंत्री निवास घेराव के लिए जुटेंगे।

मुख्यमंत्री साय से मिले पद्मश्री पंडीराम मंडावी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में नारायणपुर के पद्मश्री काष्ठ शिल्पकार पंडीराम मंडावी भी आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंडावी से आत्मीय भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने काष्ठ शिल्प के प्रति उनके दशकों के समर्पण और इस पारंपरिक कला को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। मंडावी ने महज 15 वर्ष की उम्र में लकड़ी पर आकृतियां उकेरने की शुरूआत की थी और अपना पूरा जीवन इस कला को समर्पित कर दिया। उनकी कृतियों में जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपराओं की जीवंत झलक दिखाई देती है। इसी योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।



मुख्यमंत्री के आग्रह पर 12 युवाओं को दिया प्रशिक्षण

मुलाकात में मंडावी ने बताया कि अबूझमाड़ प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने उनसे अबूझमाड़िया युवाओं को काष्ठ शिल्प का प्रशिक्षण देने को कहा था। इस आग्रह पर उन्होंने करीब एक माह तक प्रशिक्षण देकर 12 अबूझमाड़िया युवाओं को इस कला की बारीकियां सिखाईं। उनका मानना है कि कोई भी पारंपरिक कला तभी जीवंत रह सकती है, जब उसका ज्ञान अगली पीढ़ी तक पहुंचे।

बस्तर के दूरस्थ गांवों तक पहुंचना अब हुआ आसान

मंडावी ने बताया कि अब बस्तर में सड़क, अस्पताल और धान खरीदी जैसी सुविधाएं पहले से अधिक सुलभ हुई हैं। गांवों तक बस सेवा शुरू होने से बड़ी राहत मिली है। पहले लंबी दूरी के लिए साइकिल ही सहारा होती थी, लेकिन अब बस सेवा से दूरस्थ गांवों तक पहुंचना आसान हो गया है। सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को पारंपरिक कला से जोड़ने के प्रयास उन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान आगे बढ़ाने का अवसर दे रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सौंपा दिवंगत आरक्षक के परिवार को 1 करोड़ 8 लाख रुपए के बीमा राशि का चेक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने महानदी भवन, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 17वीं वाहिनी कबीरधाम में पदस्थ रहे दिवंगत आरक्षक स्व. सोनवीर कुमार की पत्नी प्रीति देवी को बैंक ऑफ बड़ौदा की सैलरी पैकेज बीमा योजना के तहत 1 करोड़ 8 लाख रुपए की बीमा राशि का चेक सौंपा। उपमुख्यमंत्री ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्य को खोने की क्षति अपूरणीय होती है, लेकिन आर्थिक सुरक्षा परिवार को आगे बढ़ने का संबल देती है। पुलिसकर्मी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्य निभाते हैं, इसलिए उनके परिवारों की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सैलरी पैकेज बीमा योजना का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में नगर सैनिकों और फायर फाइटर्स को भी इससे जोड़ा गया है, ताकि आपातकाल में सेवा देने वाले जवानों के परिवारों को भी बीमा सुरक्षा मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार को बीमा राशि के सुरक्षित निवेश और वित्तीय प्रबंधन के बारे में मार्गदर्शन दें, ताकि राशि परिवार की दीर्घकालिक सुरक्षा और बच्चों के भविष्य के लिए उपयोगी हो। उन्होंने शासन की ओर से देय शेष सहायता और अन्य सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि स्व. सोनवीर कुमार कैंप घाघरा में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। उन्होंने पुलिस बल में 12 वर्षों से अधिक सेवा दी थी। 22 दिसंबर 2025 को गोली लगने की घटना में उनका आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी प्रीति देवी को 1 करोड़ 8 लाख रुपए की बीमा राशि मिली है। इसके अलावा उनके पुत्र दिवेश कुमार को बाल आरक्षक के रूप में अनुकंपा नियुक्ति भी दी जा चुकी है। छत्तीसगढ़ पुलिस ने अधिकारी-कर्मचारियों और आश्रित परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए विभिन्न बैंकों के साथ सैलरी पैकेज समझौते किए हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अब तक पांच पुलिसकर्मियों के प्रकरणों में बीमा सहायता दी जा चुकी है। इस अवसर पर एडीजी प्रदीप गुप्ता, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, 17वीं बटालियन के कमांडेंट कमलेश चंदेल, बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक दिवाकर प्रसाद सिंह, उप महाप्रबंधक प्रभाकर कुमार एवं सहायक महाप्रबंधक मधुसूदन कुमार उपस्थित रहे।



विधायक ने बिरसा मुंडा के त्याग, संघर्ष और बलिदान को किया नमन

केल्हारी, जनकपुर एवं सोनहत में बिरसा मुंडा चौक निर्माण के लिए 15-15 लाख रुपये देने की घोषणा

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई विधायक रेणुका सिंह

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 18 नवंबर को एमसीबी जिले के केल्हारी हाई स्कूल ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, जनजातीय समाज के लोग एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कड़ी में



केल्हारी में भी समारोह आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, विचारों और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह के दौरान विधायक रेणुका सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति को स्थायी सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने सार्वजनिक मंच से केल्हारी, जनकपुर एवं सोनहत में भगवान बिरसा मुंडा चौक के निर्माण के लिए 15-15 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस तरह तीनों स्थानों के लिए कुल 45 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की गई। विधायक की इस घोषणा से क्षेत्र में भगवान बिरसा मुंडा के नाम और उनके विचारों को स्थायी पहचान देने की पहल को बल मिलेगा। चौक निर्माण के माध्यम से आने वाली पीढ़ियां भी उनके संघर्ष, साहस और बलिदान से परिचित हो सकेंगी।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी प्रेरणास्रोत : रेणुका सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रेणुका सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल महान जननायक ही नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और जनजातीय अस्मिता के प्रतीक हैं। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बहुत कम उम्र में ही बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की और अपने समाज को एकजुट कर संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनका जीवन हमें अपनी संस्कृति, परंपरा, पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और उनके योगदान को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है।

एसपी ने फेरबदल कर थाना प्रभारियों को किया इधर से उधर

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी पुलिस अधीक्षक ने जिले के मनेन्द्रगढ़, झगराखाण्ड, खड़गवां और पोड़ी थाना के प्रभारियों को बदल कर इधर से उधर किया है । कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले को अब थाना खड़गवां की प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं निरीक्षक राकेश साहू को कोतवाली थाना मनेन्द्रगढ़ की कमान सौंपी गई है। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक बेहतर व चुस्त-दुरुस्त करने तथा प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से पुलिस महकमे में एक बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने एक आदेश के तहत तत्काल प्रभाव से तबादला आदेश जारी करते हुए जिले के कई महत्वपूर्ण थानों के प्रभारियों सहित कुल 9 पुलिस



अधिकारी-कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना की है। इस आदेश के बाद जिले के प्रमुख थानों की कमान अब नए चेहरों के हाथों में होगी। जारी आदेश के मुताबिक, 5 निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है ।

निरीक्षक विवेक पाटले को अब थाना प्रभारी खड़गवां की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक राकेश साहू को थाना प्रभारी झगराखाण्ड से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी मनेन्द्रगढ़ बनाया गया है। निरीक्षक रमेश कुमार जायसवाल को थाना प्रभारी खड़गवां से अब थाना प्रभारी झगराखाण्ड बनाया गया है। निरीक्षक चन्द्रप्रकाश कंवर को थाना प्रभारी पोड़ी से हटाकर अब पूर्ण रूप से जिला यातायात प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक यशवंत सिंह श्याम को प्रभारी सायबर सेल एमसीबी से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी पोड़ी की कमान सौंपी गई है। निरीक्षकों के अलावा 4 अन्य पुलिसकर्मियों के भी तबादले किए गए हैं जिसमें स.उ.नि. राकेश शर्मा को सायबर सेल एमसीबी से पदोन्नत/स्थानांतरित कर प्रभारी सायबर सेल एमसीबी बनाया गया है। प्र.आर. 20 अमर सिंह अंडाम को थाना जनकपुर (सम्बद्ध एसडीओपी कार्या. भरतपुर) से थाना चिरमिरी भेजा गया है। आरक्षक 130 दीप नारायण तिवारी को रक्षित केन्द्र मनेन्द्रगढ़ से थाना जनकपुर में पदस्थ किया गया है। आरक्षक 124 मदन लाल राजवाड़े को थाना चिरमिरी से स्थानांतरित कर थाना जनकपुर (सम्बद्ध एसडीओपी कार्या. भरतपुर) भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरित किए गए सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी आगामी आदेश पर्यन्त अपने नवीन ड्यूटी स्थल पर तत्काल आमद देना सुनिश्चित करें।

कोरिया के 133 स्कूलों में बनेंगे बालिका शौचालय, 5.71 करोड़ रुपये की मंजूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के 133 विद्यालयों में विकसित भारत जीरामजी योजना के तहत बालिका शौचालय बनाए जा रहे हैं। जिला पंचायत के अनुसारए इन कार्यों के लिए 5 करोड़ 71 लाख 55 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। करीब छह विद्यालयों में निर्माण पूरा हो चुका है। शेष कार्य अगले दो महीने में पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कहा कि विद्यालयों में पानी की सुविधा के साथ व्यवस्थित शौचालय बालिकाओं की सुरक्षा,



स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। इन सुविधाओं से छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त विद्यालयों की सूची के आधार पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मैदानी टीम ने निर्माण की जरूरत और स्थलों की उपयुक्तता की जांच की। इसके बाद सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्र के 60 और बैकुंठपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के 73 विद्यालयों में निर्माण को मंजूरी दी गई। संबंधित ग्राम पंचायतों को निर्माण एजेंसी बनाया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेन्द्र श्रीवास ने बताया कि प्रत्येक शौचालय के लिए प्राक्कलन के अनुसार औसतन 4 लाख 30 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें 59 हजार रुपये मजदूरी और 3 लाख 71 हजार रुपये निर्माण सामग्री के लिए निर्धारित हैं।

फ्लाई ऐश ईंटों से कारोबार की नींव रखने वाली अंजना को मुख्यमंत्री की पाती

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तोलगा में फ्लाई ऐश ईंट निर्माण का कारोबार शुरू करने वाली श्रीमती अंजना को पाती भेजी। 'सादर जोहार' से शुरू हुए पत्र में मुख्यमंत्री ने बैंक से ऋण लेकर अपना व्यवसाय खड़ा करने की उनकी पहल की सराहना की और 'अंजना इंटरप्राइजेज' की उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'अपने काम पर भरोसा करके इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाने का निर्णय आसान नहीं होता। आपने वह निर्णय लिया और फ्लाई ऐश ईंट निर्माण के अपने विचार को आकार दिया।श् उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्यम की पहचान बढ़ेगी और यह प्रयास अंजना को नए लक्ष्य तय करने का आत्मविश्वास देगा। श्री साय ने



अंजना के उद्यम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मिली मदद पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि अंजना अपने परिश्रम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ा रही हैं। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि उनकी पहल से दूसरी महिलाओं में भी अपना काम शुरू करने का विश्वास जगेगा। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की आकांक्षा में अंजना जैसी महिलाओं के सपनों का भी स्थान है। उन्होंने श्री अनिल कुमार और परिवार के सभी सदस्यों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री की पाती से बढ़ा उत्साह

पत्र मिलने पर श्रीमती अंजना ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी कि प्रदेश के मुख्यमंत्री उन्हें पत्र लिखकर उनका उत्साह बढ़ाएंगे। अंजना ने इस मुकाम तक पहुंचने में सरकार और प्रशासन के सहयोग का उल्लेख किया और कहा कि वे चाहती हैं कि अन्य महिलाएं भी शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

बचपन प्ले स्कूल में हिंदी हैंडराइटिंग एवं कर्सिव राइटिंग प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

छोटे-छोटे हाथों ने अपनी सुंदर लिखावट से दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को किया गया सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी) । शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बचपन प्ले स्कूल, मनेंद्रगढ़ में हाल ही में हिंदी हैंडराइटिंग एवं कर्सिव राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के यूकेजी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी सुंदर, साफ-सुथरी एवं आकर्षक लिखावट का शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लिखावट के प्रति रुचि विकसित करना, अक्षरों की बनावट में सुधार लाना तथा उनमें आत्मविश्वास और एकाग्रता की भावना को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के



परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कर्सिव हैंडराइटिंग प्रतियोगिता में यूकेजी 'A' - प्रथम: सिद्धि देवानी, द्वितीय: रियांशी साहू, तृतीय: कनिष्क शुक्ला। यूकेजी 'B' - प्रथम: अभिश्री मुखर्जी, द्वितीय: जपजोत कौर, तृतीय: रक्षिता यादव।यूकेजी 'C' - प्रथम: आरिका दर्शन, द्वितीय: शोविक चंद्र दास, तृतीय: इशिका पटेल।यूकेजी 'D' - प्रथम: प्रत्युष वर्मा, द्वितीय: श्रेयांश प्रताप सिंह, तृतीय: शिवन्या सिंह बघेल रही है 7 एवं हिंदी हेंडराइटिंग प्रतियोगिता में कक्षा यू. के.जी अ से रियांशी साहू प्रथम, अरफ़िया मेमन द्वितीय एवं हर्षवर्धन सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

कक्षा यू.के.जी. ब से अद्रिका भारती प्रथम, ऋत्वी दगवाकर द्वितीय एवं जपजोत कौर तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा यू.के.जी सी से शोविक चन्द्रदास प्रथम, अविका तिवारी द्वितीय एवं इशिका पटेल तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह कक्षा यू.के.जी डी से समायेरा सिंह प्रथम, आविश कन्नौजिया द्वितीय एवं आस्था सिंह तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय परिवार ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता एवं लेखन कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाएं आरिका ख़ान, वैष्णवी जायसवाल, बी साईं प्रीति, मंजू दत्ता एवं रवनीत कौर का सराहनीय सहयोग रहा।

तय तारीख पर धान लाएं किसान, दूसरी बार टोकन निरस्त हुआ तो घटेगा एक मौका

पहली बार टोकन निरस्त होने पर दोबारा मिलेगा मौका, रकबे के अनुसार एक से तीन टोकन की पात्रता

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए टोकन लेने वाले किसान तौल की निर्धारित तारीख पर ही उपार्जन केंद्र में धान पहुंचाएं। तय तारीख पर धान नहीं लाने पर टोकन निरस्त हो जाएगा। पहली बार टोकन निरस्त होने पर किसान दोबारा टोकन ले सकेंगे और उनकी टोकन सीमा से कोई कटौती नहीं होगी। यह छूट केवल एक बार मिलेगी। दूसरी बार निरस्त हुआ टोकन किसान की निर्धारित सीमा में गिना जाएगा, जिससे धान बेचने के लिए उपलब्ध टोकनों की संख्या एक कम हो जाएगी। दो एकड़ तक के सीमांत किसानों को अधिकतम एक, दो एकड़ से अधिक और 10 एकड़ तक के लघु किसानों को अधिकतम दो तथा 10 एकड़ से अधिक रकबे वाले दीर्घ किसानों को अधिकतम तीन टोकन जारी किए जा सकेंगे। सभी टोकनों में दर्ज धान की कुल मात्रा किसान की खरीदी योग्य मात्रा के बराबर या उससे कम होनी चाहिए। टोकन में धान की मात्रा प्रति बोरा 40 किलोग्राम यानी 0ण्40 क्विंटल के हिसाब से दर्ज की जाएगी।



नया टोकन जारी करने से पहले समिति को पिछली तारीखों के लंबित टोकनों की तौल तारीख बदलनी होगी या उन्हें निरस्त करना होगा। नया टोकन जारी करने के लिए शेष धान की गणना में निरस्त टोकनों में दर्ज मात्रा शामिल नहीं होगी। एक किसान को एक ही तौल तारीख के लिए दो टोकन जारी नहीं किए जाएंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2026.27 में किसान गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध 'तुहर टोकन' ऐप में ओटीपी से पंजीयन कर टोकन ले सकते हैं। समिति की निर्धारित दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत हिस्सा ऐप के माध्यम से और 30 प्रतिशत हिस्सा समिति के माध्यम से टोकन जारी करने के लिए उपलब्ध रहेगा। ऐप के हिस्से में से 80 प्रतिशत क्षमता लघु और सीमांत किसानों के लिए तथा 20 प्रतिशत दीर्घ किसानों के लिए निर्धारित है। तुंहर टोकन एप से किसानों को टोकन कटवाने में सुविधा हो रही हैए वहीं कलेक्टर रोक्तिमा यादव के सख्त निर्देश है कि किसानों को व धान उपार्जन केन्द्रों में किसी भी तरह की समस्या न होए उन्होंने नोडल अधिकारियों को नियमित रूप से धान उपार्जन केन्द्रों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। नया टोकन बनाने की सुविधा रविवार से शुक्रवार तक चौबीसों घंटे उपलब्ध है। जिस दिन टोकन बनाया जा रहा है, उसी दिन की तारीख तौल के लिए नहीं चुनी जा सकेगी। शनिवार, रविवार और शासकीय अवकाश के दिन भी तौल के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। टोकन जारी करने के लिए किसान के बैंक खाते का सत्यापन अनिवार्य है। ऋणी किसानों के डीएमआर नकद और वस्तु ऋण खातों का सत्यापन भी जरूरी है। इस सीजन के लिए टोकन जारी करने की शुरुआत 10 नवंबर 2026 से हुई है। किसान से धान खरीदी के अंतिम दिन 15 जनवरी 2027 तक की उपलब्ध तौल तारीख के लिए टोकन ले सकेंगे।

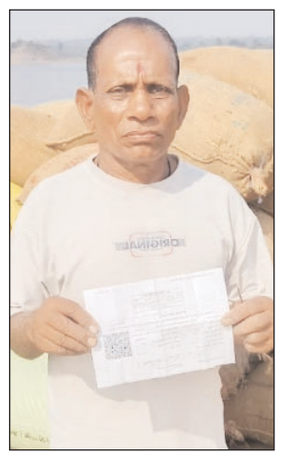
डिजिटल टोकन से सुगम हुई धान खरीदी, उपार्जन केंद्र की सुविधाओं से किसानों को मिल रही राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले में धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह और हर्ष का माहौल है। शासन द्वारा किसानों की उपज के सुव्यवस्थित उपार्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में एमसीबी जिले के ग्राम शिवपुर निवासी किसान रामचरित्र अपनी 50.80 क्विंटल धान की उपज लेकर बरदर धान उपार्जन केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने खरीदी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शासन की पहल की सराहना की।

किसान रामचरित्र ने बताया कि इस बार धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु उन्हें किसी प्रकार की लंबी कतार में खड़ा नहीं होना पड़ा। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से घर बैठे ही अपना टोकन प्राप्त कर लिया, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बचा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन की सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और सुविधाजनक हो गई है।

उन्होंने आगे बताया कि





उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। धान की तौल के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटा एवं माप उपकरण उपलब्ध हैं। इसके साथ ही बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता होने से किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। केंद्र में किसानों के बैठने तथा शौचालय की व्यवस्था भी की गई है। पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है और किसानों को अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय पहल है। इससे किसानों को उनकी मेहनत और उपज का उचित मूल्य मिल रहा है तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल रही है।

किसान रामचरित्र ने धान खरीदी की बेहतर व्यवस्थाओं, ऑनलाइन टोकन सुविधा एवं किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दरीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा